NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विज़डम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 13 अंक: 269 लखनऊ, मंगलवार 14 मई 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

मोदी लहर अब सुनामी बन चुकी है – योगी आदित्यनाथ '

संवाददाता।
बाराबंकी/लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि चौथे चरण के मतदान के साथ ही मोदी लहर अब सुनामी बन चुकी है। उन्होंने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इनका इतिहास घोटालों का रहा है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिना चेहरा और जाति देखो सबको विकास की योजनाओं से लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को यहां हैदरगढ़ में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां पार्टी प्रत्याशी राजरानी रावत के लिए जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम भी यही चाहते हैं कि उनका परम भक्त एक बार फिर देश की सत्ता संभाले।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हैदरगढ़ भाजपा के हृदय में बसता है। लोकसभा चुनाव का चौथा चरण चल रहा है। देश के 10 राज्यों में 96 सीटों पर मतदान हो रहा है। लोगों में इसे लेकर उत्साह है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में तीसरे चरण में मोदी लहर अब चौथे चरण में सुनामी बनने की ओर अग्रसर है। कहा कि 'फिर एक बार मोदी सरकार' का स्वर पूरे देश में गूंज रहा है। आज का नया भारत देश और दुनिया में हुए परिवर्तन का साक्षी है। दुनिया में हमारा सम्मान बढ़ा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, विकास कार्य तीव्र गति से आगे बढ़े हैं।मुख्यमंत्री योगी ने कांग्रेस और

सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग बड़े बड़े दावे कर रहे हैं मगर सच्चाई यही है कि इनके समय लोग भूख से मरते थे, किसान आत्महत्या करता था और नौजवान पलायन करता था। मगर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 10 साल मे जो परिवर्तन देखने को मिला है, हम सब उसके साक्षी हैं। पिछले 4 साल से 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है, 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है, उज्ज्वला योजना, हर घर नल योजना, शौचालय, 4 करोड़ लोगों को मकान देने का कार्य हुआ है। इतना कुछ मोदी जी ने बिना चेहरा और जाति देखे दिया है। बिना भेदभाव के शासन का लाभ कैसे दिया जाता है ये उदाहरण मोदी जी ने सबके सामने रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा के घोटालों का लंबा इतिहास है। इनके कारनामे जगजाहिर हैं। इन लोगों ने कोई जगह नहीं छोड़ी थी लूट खसोट करने की। हर जगह लूट–खसोट के नये कीर्तिमान स्थापित किये। मगर भाजपा आज देश के विकास के साथ विरासत को संजोने का काम कर रही है। सपा और कांग्रेस राममंदिर का विरोध करते थे। कांग्रेस और सपा के लोग कहते हैं कि राममंदिर का निर्माण बेकार हुआ है। हिन्दू आस्था के साथ खिलवाड़ करना कांग्रेस और सपा का व्यवहार रहा है। ये रामभक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं। आतंकवादियों पर दायर मुकदमों को वापस लेने वाले लोग हैं। पूरा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच आ चुका है। हमने राम को राष्ट्र का पर्याय माना है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के मेनिफेस्टो के आधा पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष एससी एसटी और ओबीसी के आरक्षण में बाधा डालने की कोशिश कर रहा है।इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री सतीश चंद्र शर्मा सांसद उपेंद्र सिंह रावत, वि ाायक बृजेश रावत, सांसद प्रत्याशी राजरानी रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार मौर्य सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एन एम पी वर्मा ने सैटेलाइट केंद्र का किया निरीक्षण

लखनऊ(आरएनएस)बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० एन० एम० पी० वर्मा ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात पहली बार सैटेलाइट केंद्र का निरीक्षण किया। कुलपति जी के साथ अम्बेडकर स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के संकायाध्यक्ष प्रो० मनीष कुमार वर्मा मौजूद रहे।

पेट्रोल पंप मारपीट के मामले में अमानतुल्लाह खान का मैनेजर अरेस्ट,

एजेंसी।

दिल्ली विशेष रूप से अमानतुल्ला के बेटे अनस अहमद और एक पेट्रोल पंप पर कुछ कर्मचारियों के बीच बहस के बाद 7 मई को नोएडा के फेज 1 पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई एफआईआर में इकरार का नाम नहीं था। बाद में दिल्ली के विधायक भी इसमें शामिल हो गए। आम आदमी पार्टी के दिल्ली विधायक अमानतुल्ला खान के सहयोगी इकरार अहमद को नोएडा पुलिस ने एक पेट्रोल पंप पर हुई बहस के बाद दर्ज मामले में सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। नोएडा पुलिस के प्रवक्ता ने कहा कि नीय खुफिया जानकारी और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से

सोमवार को फेज 1 पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में वांछित आरोपी इकरार अहमद को गिरफ्तार कर लिया गया। विशेष रूप से अमानतुल्ला के बेटे अनस अहमद और एक पेट्रोल पंप पर कुछ कर्मचारियों के बीच बहस के बाद 7 मई को नोएडा के फेज 1 पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई एफआईआर में इकरार का नाम नहीं था। बाद में दिल्ली के विधायक भी इसमें शामिल हो गए। एफआईआर में अमानतुल्ला का नाम उनके बेटे के साथ रखा गया था, जिसका उल्लेख विधायक अमानतुल्ला खान के अज्ञात बेटे के रूप में किया गया था, जबकि अन्य आरोपियों की पहचान दो कारों में अन्य के रूप में की गई थी। खान के बेटे पर पेट्रोल पंप पर ईंधन के लिए कतार में कूदने और बाद में धमकी देने और हिंसा करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि ओखला विधायक ने आरोपों से इनकार किया है, लेकिन पुलिस ने शुरू में धारा 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा), 504 (जानबूझकर अपमान करना, यह जानते हुए भी कि इस तरह के उकसावे से सार्वजनिक शांति भंग हो सकती है), 506 (आपराधि ाक के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया था। बाद में आईपीसी की धारा 147 (दंगा), 149 (गैरकानूनी जमावड़ा), 452 (अतिक्रमण), 307 (हत्या का प्रयास), 394 (लूट के दौरान चोट पहुंचाना), 34 (समान उद्देश्य से कई व्यक्तियों द्वारा किया गया कार्य) लगाई गईं। और मामले में एससीध्एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधान जोड़े गए। पुलिस ने कहा कि इकरार अहमद वर्तमान में शाहीन बाग इलाके में रहता है और उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले का मूल निवासी है। पुलिस ने कहा कि कानूनी कार्यवाही चल रही है।

बारिश के कारण मुंबई हवाई अड्डे का संचालन बाधित, 15 उड़ानें डायवर्ट की गईं

मुंबई और आसपास के कई हिस्सों में बारिश और तेज हवाओं के कारण मेट्रो और लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ठाणे, पालघर और मुंबई के लिए बिजली गिरने और मध्यम से तीव्र बारिश के साथ तूफान की भविष्यवाणी करते हुए एक नाउकास्ट चेतावनी जारी की। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि अगले 3–4 घंटों में मुंबई में अलग–अलग स्थानों पर 40–50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। बारिश के कारण मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। शहर में खराब मौसम और धूल भरी आँधी के कारण, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (ब्ैडप्।) ने कम दृश्यता और तेज हवाओं के कारण लगभग 66 मिनट के लिए उड़ान संचालन को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। इस दौरान हवाईअड्डे पर 15 बदलाव देखे गए। सीएसएमआईए के बयान में कहा कि सीएसएमआईए ने पिछले सप्ताह अपना प्री–मानसून रनवे रखरखाव सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे सुरक्षित और सुचारू विमान संचालन सुनिश्चित हुआ। दक्षता और यात्री सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध, हवाईअड्डा निर्बाध संचालन को प्राथमिकता देने के लिए दृढ़ है। मुंबई और आसपास के कई हिस्सों में बारिश और तेज हवाओं के कारण मेट्रो और लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ठाणे, पालघर और मुंबई के लिए बिजली गिरने और मध्यम से तीव्र बारिश के साथ तूफान की भविष्यवाणी करते हुए एक नाउकास्ट चेतावनी जारी की।

कल नामांकन, आज शक्ति प्रदर्शन, Varanasi, PM Modi का भव्य रोड शो, स्वागत में लगे नारे

संवाददाता।
वाराणसी प्रधानमंत्री नरेन्ध्द्र मोदी भगवा कुर्ता और सफेद सदरी पहनकर विशेष और खुले वाहन पर सवार हुए थे। अंसार उल हक ने कहा कि यह बहुत अच्छा अहसास है। वाराणसी के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है। हम पीएम मोदी और हमारी पार्टी के श400 पारश के संकल्प को पूरा करेंगे।पूरे भारत में चौथे चरण के मतदान के बीच, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में एक रोड शो किया, जहां से वह लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। वह मंगलवार (14 मई) को उत्तर प्रदेश की सीट से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। एक्स से बात करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि लोगों की ष्अविश्वसनीयष गर्मजोशी और स्नेह के कारण काशी षविशेषष है। प्रधान मंत्री मोदी वाराणसी से लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं, जहां 1 जून को सातवें और अंतिम चरण में मतदान होगा। अपने रोड शो से पहले उन्होंने हिंदू महासभा के संस्थापक मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे। रोड शो लंका स्थित मालवीय चौराहे से श्री काशी विश्वनाथ धाम तक हुआ। यह संत रविदास गेट, अस्सी, शिवाला, सोनारपुरा, जंगमबाड़ी, गोदौलिया से होकर गुजरी। पूरे रास्ते भर यह श्री राम के नारे लगे। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, पीएम ठरॅ

गेस्टहाउस में रात रुकेंगे। एक निवासी ने कहा कि इतना उत्साह है कि रात भर हम पीएम मोदी के स्वागत की योजना बनाते रहे। वाराणसी में पीएम मोदी के रोड शो पर एक स्थानीय निवासी ने कहा कि इतनी बढ़िया तैयारी पहले कभी नहीं हुई थी। लोगों का ये जनसैलाब ऐतिहासिक है और ऐसा तभी हो सकता है जब पीएम मोदी आते हैं। एक ने कहा कि पिछले दस वर्षों में मैंने वाराणसी में बहुत विकास देखा है और यह सब पीएम मोदी के कारण है। मुझे उम्मीद है कि इस बार भी वह जीतेंगे. ..उम्मीद है कि वह सत्ता में आएंगे और लोगों का कल्याण करेंगे।श मैं भीड़ देखकर सचमुच चकित हूं। प्रधानमंत्री नरेन्ध्द्र मोदी भगवा कुर्ता और सफेद सदरी पहनकर विशेष और खुले वाहन पर सवार हुए थे। अंसार उल हक ने कहा कि यह बहुत अच्छा अहसास है। वाराणसी के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है। हम पीएम मोदी और हमारी पार्टी के श400 पारश के संकल्प को पूरा करेंगे। एक अन्य ने कहा कि मुसलमानों के लिए पीएम मोदी का स्वभाव शुरू से ही सराहनीय रहा है। वाराणसी के स्थानीय लोगों ने दावा किया कि 2014 और 2019 के रोड शो से भी ज्यादा लोग इस बार के रोड शो में उमड़ पड़े। मोदी ने इसके पहले 2014 और 2019 में वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव जीता और अबकी बार यहां से तीसरी बार उम्मीदवार हैं। मोदी ने उप्र में इस बार लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के तहत गाजियाबाद से रोड शो की शुरुआत की थी और उसके बाद कानपुर, बरेली और अयोध्या में भी उन्होंने रोड शो किया। इन सभी स्थानों पर मोदी वाहन पर सवार होते ही अपने हाथ में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिह्न कमल लेकर लोगों का अभिवादन करते थे, लेकिन अपने संसदीय क्षेत्र में वह हाथ में कमल लेने की बजाय दोनों हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन करते नजर आए। करीब छह किलोमीटर लंबे इस रोड शो के दौरान शहनाई की धुन, शंखनाद, ढोल की थाप और मंत्रोच्चार के बीच पूरी यात्रा काशी की संस्कृति में रची–बसी नजर आयी।प्रधानमंत्री और वाराणसी के सांसद नरेन्द्र मोदी 14 मई को तीसरी बार वाराणसी से नामांकन करेंगे। यहां से उनकी जीत लगभग तय मानी जा रही है, बस देखना यह होगा कि जीत का अंतर कितना बड़ा होता है। वाराणसी लोकसभा चुनाव की खास बात जहां प्रधानमंत्री मोदी की उम्मीदवारी है तो चर्चा इस बात की भी है कि पूरे देश में घूम–घूम कर मोदी को गाली देने वाले नेताओं की फौज में क्या कोई ऐसा नेता मौजूद नहीं हैं जो वाराणसी में आकर मोदी को चुनौती दे सके।

अमेठी मे स्मृति ईरानी के लिए राह इस बार आसान नहीं, जनता में कामकाज के तरीके को लेकर दिखा आक्रोश

संवाददाता।
अमेठी में एक स्थानीय युवा मतदाता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार मिली–जुली रही है। कुछ मामलों में वह सफल और कुछ मामलों में असफल रही है। लोगों ने कहा भाजपा ने अपने राम मंदिर, तीन तलाक और धारा 370 को हटाने का फायदा पूरा किया है। अमेठी पहुंची। जहां हमारे एडिटर नीरज कुमार दुबे ने स्थानीय लोगों से बातकर क्षेत्र का चुनावी माहौल जानने की कोशिश की है। एक स्थानीय युवा मतदाता ने कहा कि बीजेपी की सरकार मिली–जुली रही है। कुछ मामलों में वह सफल और कुछ मामलों में असफल रही है। लोगों ने कहा भाजपा ने अपने राम मंदिर, तीन तलाक और धारा 370 को हटाने का फायदा पूरा किया है। साथ ही उन्होंने कोरोना वैक्सीन की विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठाए। मतदाताओं ने कहा कि सरकार राशन के रूप में फ्री की रेवड़ियां बांट रही है। जो एक गलत परंपरा शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि देश पर कर्ज भी लगातार बढ़ता जा रहा है और रुपए की कीमत डॉलर के मुकाबले नीचे की ओर गिरती जा रही है। लोगों ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही प्रधानमंत्री मोदी हिंदू–मुसलमान का मुद्दा बेवजह उठाने लगे हैं। उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को लेकर कहा कि सरकार को देश की जनता को राष्ट्र की सुरक्षा का विश्वास जरूर दिलाना चाहिए। युवाओं ने प्रदेश में लगातार हो रहे पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए योगी सरकार की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में रोजगार भी एक बड़ा मुद्दा रहेगा। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि स्मृति ईरानी ने क्षेत्र में निश्चित रूप से विकास किया है। उन्होंने कहा कि 5 साल तक स्मृति ईरानी लगातार क्षेत्र के लोगों के बीच भी रही हैं। एक अन्य मतदाता ने कहा कि स्मृति ईरानी को अपने 5 साल के काम का हिसाब देना होगा। अमेठी को लेकर उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अब डर का माहौल है। लोग खुलकर सरकार का विरोध नहीं कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि अमेठी की पहचान गांधी परिवार से है क्योंकि गांधी परिवार की वजह से ही क्षेत्र में आयी कंपनियों में स्थानीय लोगों को बड़े स्तर पर रोजगार मिला है। लेकिन स्मृति ईरानी किसी बड़ी योजना को लेकर अमेठी में लाने में असफल रही हैं। लोगों ने दावा किया कि देश में मीडिया का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी पर लोकतंत्र को गिराने का आरोप लगाते हुए युवाओं ने कहा कि विपक्ष के नेताओं को बेवजह जेल में बंद किया जा रहा है। देश रूस और चीन की तरह एक नेता, एक चुनाव की ओर धीरे–धीरे बढ़ रहा है। केजरीवाल द्वारा हाल ही में दिए गए बयान को लेकर भी लोगों ने कहा कि पीएम मोदी कुछ महीने बाद ही राजनीति से रिटायर हो जाएंगे। एक अन्य मतदाता ने कोरोना के समय को लेकर कहा कि मोदी सरकार की वजह से ही हम सब लोग आज जिंदा हैं। दूसरे अन्य व्यक्ति ने कहा कि कांग्रेस ने देश को पोलियो मुक्त बनाया है। उन्होंने कटाक्ष किया कि दुनिया के अन्य जगहों में भी कोरोना आया था।

12 मई को कुल 97.69 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग व नकदी जब्त

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में प्रवर्तन एजेन्सियों व उड़नदस्ते द्वारा अवैध शराब, नकदी आदि की जब्ती संबंधी आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 01 मार्च से 12 मई, 2024 तक कुल 41768 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नकदी आदि जब्त किये गये। इसमें 3385.13 लाख रुपये नकद धनराशि, 5197.49 लाख रुपये कीमत की शराब, 23204.49 लाख रुपये कीमत की ड्रग, 2289.87 लाख रुपये कीमत की बहुमूल्य धातुएं, 4936.24 लाख रुपये कीमत के मुफ्त उपहार एवं 2754.78 लाख रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी। आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 12 मई, 2024 को कुल 97.69 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग व नगदी आदि जब्त की गई। इसमें 13.54 लाख रुपये नकद धनराशि, 35.26 लाख रुपये कीमत की 13485.12 लीटर शराब, 48.09 लाख रुपये कीमत की 44430 ग्राम ड्रग, 0.57 लाख रुपये कीमत के 225 मुफ्त उपहार एवं 0.24 लाख रुपये कीमत की 8 अन्य सामग्री जब्त की गयी।12 मई, 2024 को प्रमुख जब्ती में जनपद खीरी की धौरहरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 34.22 लाख रुपये अनुमानित कीमत की 1070 ग्राम ड्रग पकड़ी गयी।

4716 लाइसेंसी शस्त्र निरस्त कर जमा कराये गये

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। सघन जॉच के लिए 464 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1730 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 12 मई, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 537 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये 4716 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये इसी प्रकार शांति भंग की आशंका में सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 27,45,476 लोगों को पाबन्द किये जाने हेतु नोटिस प्रेषित किये गये है, जिनमें से 25,11,561 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 9335 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 9432 कारतूस, 3019.32 किलोग्राम विस्फोटक व 530 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 4262 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 178 केन्द्रों को सीज किया गया। 12 मई, 2024 को पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 01 लाइसेंसी शस्त्र का लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 10,074 लोगों को पाबन्द किया गया। इसके अतिरिक्त बिना लाइसेंस के 61 शस्त्र, 86 कारतूस बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 71 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 01 केन्द्र को सीज किया गया।

अब तक कुल 1,56,15,498 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है।
मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने में अब तक सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 1,56,15,498 प्रचार–प्रसार सामग्री हटायी गयी। इसमें सार्वजनिक स्थानों से 96,13,066 तथा निजी स्थानों से 60,02,432 प्रचार–प्रसार सामग्री हटायी गयी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 14 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

राहुल वोट मांगते हैं रायबरेली से और समर्थन मिलता है पाकिस्तान से योगी'

'रायबरेली में गरजे मुख्यमंत्री, अपनी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को लोकसभा चुनाव में जिताने की अपील की'

'अल्पसंख्यकों को खानपान की छूट देने वाली कांग्रेस को वोट न देना वरना राम जन्मभूमि का पुण्य पाप में बदल जाएगाः योगी'

'कांग्रेस को चेताया– गाय हमारी माता है, जनम–जनम का नाता है, इसे काटोगो तो दो–दो हाथ हो जाएगा'

'कांग्रेस से योगी का सवाल– भारत में नहीं तो क्या इटली में राम मंदिर बनेगा'

'बोले– रामभक्त ही राज करेगा, दिल्ली के सिंहासन पर'

रायबरेली लखनऊ (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को रायबरेली के सरेनी पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा कर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को लोकसभा चुनाव में कमल के फूल पर बटन दबाकर विजयश्री दिलाने की अपील की। उन्होंने आह्वान किया कि अबकी बार–400 पार में रायबरेली भी रहेगा, क्योंकि यह अवध केसरी और अयोध्या की पावन धरा का क्षेत्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलवामा में भारत के जवान शहीद हुए थे। पाकिस्तान का मंत्री उस घटना का समर्थन कर रहा था। वह मंत्री आज रायबरेली से कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में बयानबाजी करता है। आखिर राहुल गांधी के पाकिस्तान से क्या संबंध हैं। वे रहेंगे हिंदुस्तान में, वोट मांगेंगे रायबरेली से और समर्थन मिल रहा है पाकिस्तान से। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि जिसका समर्थन पाकिस्तान कर रहा है, रायबरेली उसका समर्थन नहीं करेगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने जो न्याय पत्र जारी किया है, वह भारत के प्रति अन्याय पत्र है। यह भारत के प्रति साजिश का दस्तावेज है। इसमें कांग्रेस गरीबी हटाने की बात कह रही है। दादी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था, आज तक पोता वही रट रहा है। वे बता रहे कि गरीबी हटाने के लिए संपत्ति का एक्सरे कराकर विरासत टैक्स लगाएंगे। आपके पूर्वजों की संपत्ति पर कांग्रेस की नजर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस व सपा का गठबंधन देश के लिए खतरनाक है। दो युवाओं की जोड़ी धोखेबाज है। यह कह रहे हैं कि जीतेंगे तो मिलकर लूटेंगे और हारेंगे तो फिर छूटेंगे। यह लोग देश–प्रदेश के साथ अन्याय करने आ रहे हैं। राहुल गांधी उप्र के बाहर प्रदेश और भारत के बाहर देश की निंदा करते हैं। 2010 में यूपीए सरकार के समय अमेरिका के अधिकारी से कहा था कि भारत के अंदर आईएसआई, मुस्लिम कट्टरपंथियों, आतंकियों से नहीं, हिंदुओं से डर है। हिंदुओं को बदनाम करने वाले राहुल हिंदुओं से वोट मांगते हैं। यह जाति के नाम पर लड़ाएंगे, फिर आरक्षण को मुसलमानों में बंटरबांट करेंगे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को खानपान की स्वतंत्रता की बात पर चेताया, बोले कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक का भोजन एक ही है, लेकिन एक जगह उनके विचार बदल जाते हैं। वे जान लें कि गो हमारी माता है, जनम–जनम का नाता है। इसे काटोगो तो दो–दो हाथ हो जाएगा। कांग्रेस गोहत्या की छूट दे रही है। मुख्यमंत्री ने अपील की कि कांग्रेस के इस पाप में नहीं पड़ना है। कांग्रेस देश के लिए खतरनाक खेल खेलने जा रही है। देश उन्हें पहले ही बाहर का रास्ता दिखा चुका है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस ने रामसेतु को तोड़ने का कार्य किया था। संविधान की शपथ लेने वाली सरकार ने उस समय सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट दिया था कि राम–कृष्ण हुए ही नहीं। उस सरकार को इतना तक नहीं पता कि संविधान की मूल प्रति में पुष्पक विमान पर लंका से अयोध्या आते भगवान राम के दरबार को दिखाया गया है। वह सरकार सुप्रीम कोर्ट में झूठ बोलती है। इनके बुद्धिदाता कहते हैं कि भारत में राम मंदिर नहीं बनना चाहिए। राम मंदिर भारत में नहीं तो क्या इटली में बनेगा। राम मंदिर भारत के इतिहास की सबसे अद्भुत घटना है। हमारी पीढ़ी धन्य है कि इसकी साक्षी बनी है। मुख्यमंत्री ने सपा को भी नहीं बख्शा, बोले कि सपा का राग ही उल्टा है। सपा सही रास्ते चल ही नहीं सकती। वे कहते हैं कि राम मंदिर बेकार बना है। यह रामभक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं। यह अयोध्या में रामजन्म भूमि, काशी में संकटमोचन मंदिर पर हमला करने वाले आतंकियों पर दायर मुकदमों को वापस लेते हैं। यह चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच हो गया है। उन्होंने कहा कि मैं गाना सुन रहा था कि रामभक्त ही राज करेगा, दिल्ली के सिंहासन पर। लोगों से पूछा कि फिर एक बार मोदी सरकार का नारा क्यों तो लोगों ने कहा कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। प्रभु भी चाहते हैं कि उनका भक्त ही राज करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान और रामद्रोहियों के स्वर एक जैसे हैं। केवल यही दोनों मोदी का विरोध कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को गिनाया। कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में हर किसी ने दस वर्ष में बदलते भारत को देखा होगा, लेकिन कांग्रेस नेत्री कह रही थीं कि मोदी जी बताएं कि उन्होंने रायबरेली के लिए क्या किया। आखिर वे भी बताएं कि 65 वर्ष में आपने रायबरेली के लिए क्या किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि रायबरेली में एम्स है तो उसका पैसा भी मोदी जी ने दिया। रेल कारखाना के विस्तारीकरण व आधुनिकीकरण का पैसा भी मोदी ने दिया। इसके उद्घाटन में मोदी जी स्वयं आए थे। मुख्यमंत्री ने जनता के सामने कहा कि कांग्रेस के नेता विकास कार्य नोट करें। आजादी के पहले से 2014 तक 74 एयरपोर्ट बने, मोदी जी ने 10 वर्ष में 152 एयरपोर्ट बना दिए। 2014 तक जितना हाइवे बना था, आज उससे दोगुने बन गए। मेट्रो केवल पांच सिटी में थी, आज 20 शहरों में हो गई। एम्स केवल सात थे, उसमें से भी कांग्रेस ने केवल एक बनाया था। अटल जी ने छह बनाए और आज देश में 22 एम्स हैं। पहले हर घर नल योजना नहीं थी, आज यह लागू हो चुकी है। कांग्रेस सरकार के समय स्वास्थ्य सुविधा में लोग तड़पते थे, आज एक जिला–एक मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है। कांग्रेस के समय लोग भूखों मरते थे, आज 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है। पाकिस्तान की आबादी से अधिक 25 करोड़ लोगों को मोदी जी ने दस वर्ष में गरीबी रेखा से उभारा है। साथ ही उन्होंने कई अन्य योजनाओं को भी गिनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सुबह न्यूज सुन रहा था कि पीओके में दंगा इसलिए हो गया, क्योंकि वहां खाने के लिए आटा, चावल, बिजली नहीं है। खाने को लेकर लोग गली–मोहल्लों की तरह लड़ रहे हैं। पाकिस्तान की दुर्गति देखने के बाद वहां का राग अलापने वाले दुर्बुद्धि व्यक्ति से कहो कि पाकिस्तान जाए, भारत पर बोझ न बने। डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है तो हरिजन, लोधी, पासी, कुर्मी, दलित समेत अन्य गरीब कहां जाएगा। मोदी जी ने गरीबी, दलित–वंचित को ध्यान में रखकर योजना का लाभ और 'सबका साथ–सबका विकास' का नारा दिया, जो मंत्र बन गया है।इस अवसर पर रायबरेली लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह, प्रदेश सरकार की मंत्री प्रतिभा शुक्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडेय, पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, राकेश सिंह, आरबीएस सिंह, अजय त्रिपाठी आदि की मौजूदगी रही।' मुख्यमंत्री ने जनसभा से पहले बालेश्वर मंदिर में किया दर्शन–पूजन' रायबरेली के सरेनी में जनसभा से पहले योगी आदित्यनाथ बालेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि–विधान से बाबा के दर्शन–पूजन किए। मुख्यमंत्री ने सुखी–समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की तो बाबा से रायबरेली की जीत का भी आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्रीयोगी के साथ यहां रायबरेली से भाजपा प्रत्याशी व प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। बता दें कि इसके पहले रविवार को काशी दौरे पर रहे योगी आदित्यनाथ ने वहां काशी विश्वनाथ और काल भैरव के दर्शन–पूजन भी किए थे।

पीओके के लोगों को भी है मोदी की गारंटी पर विश्वास मुख्यमंत्री योगी' आदित्यनाथ

'– मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांदा के नरैनी में जनसभा को किया संबोधित'

बांदा लखनऊ (आरएनएस)। देश में 80 करोड़ जरुरतमंदों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। वहीं आज एक समाचार पत्र में छपा है कि पाकिस्तान में एक किलो आटे के लिए मारपीट हो रही है। वहां दंगे हो रहे हैं। पीओके में लोग भारत का हिस्सा बनने के लिए लगातार आंदोलन चला रहे हैं क्योंकि यहां (भारत) मोदी सरकार का शासन है। उनका मोदी की गारंटी पर विश्वास है कि वह यहां खुशहाल रहेंगे। वहीं पाकिस्तान का राग अलापने वालों को वहां चले जाना चाहिये। वह वहां भीख मांगे और भूखों मरे। भारत पर बोझ न बनें क्योंकि ये लोग भारत की प्रगति के बैरियर बने हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सफलता पर सिर्फ दो लोगों को आपत्ति है। इसमें रामद्रोही और पाकिस्तान के समर्थक शामिल है। जबकि पूरा हिंदुस्तान मोदीमय हो चुका है। आज मोदी लहर सुनामी बनने की ओर अग्रसर है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को नरैनी में बांदा लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा के प्रत्याशी आरके सिंह पटेल के पक्ष में वोट की अपील की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नये भारत में नया उत्तर प्रदेश और नया बुंदेलखंड दिखाई दे रहा है। सपा ने यहां के नौजवानों के हाथों में तमंचा पकड़वाने का काम किया जबकि हमने उन्हे टैबलेट दिया। इससे वह स्मार्ट युवा बन रहे हैं और वह डिफेंस कॉरिडोर में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सात वर्ष पहले बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से चित्रकूट जुड़ा, जिसकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। पिछले सरकारें यहां के संसाधनों को लूटती थीं। वह बुंदेलखंड के बांदा और चित्रकूट को बदनाम करती थीं। इतना ही नहीं वह यहां के लोगों को प्यासा तड़पने के लिए छोड़ देते थे। आज यहां हर घर नल योजना अपने अंतिम चरण में चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम बुंदेलखंड में विकास की हर वह योजना लेकर आएंगे, जो बुंदेलखंड वांछित था। हमें बुंदेलखंड को विकास से जोड़ने में अपार संतुष्टि होती है क्योंकि यह वही धरती है जिसने प्रभु श्रीराम को संकट के समय आश्रय दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर देशवासी को बिना भेदभाव के गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस, सपा और बसपा ने लूटने का काम किया है। उनका गरीब जनता से कोई सरोकार नहीं रहा। यह लोग राम मंदिर का विरोध करते हैं क्योंकि इन लोगों की नियत देश के प्रति अच्छी नहीं है। इंडी गठबंधन के मेनिफेस्टो में पिछड़ी जातियों का आरक्षण काटकर मुसलमानों को देने की बात कही गयी है। इसके साथ ही अल्पसंख्यकों को खान पान में छूट देने की बात कही है। वह उन्हे गो मांस खाने की छूट देने की बात कहते हैं। हम न तो आरक्षण में सेंध लगाने देंगे और न ही अल्पसंख्यकों को खान–पान में छूट देने देंगे, क्योंकि गो माता हमारी जननी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल गांधी सत्ता में आने पर एक झटके में गरीबी मिटाने की बात कहते हैं। वह देश से गरीबी नहीं बल्कि देशवासियों के पूर्वजों की संपत्ति का सर्वे कराकर हड़पने का काम करेंगे। ऐसे में इन लोगों से सावधान रहने की जरुरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चुनाव रामभक्त और रामद्रोहियों के बीच का है। ऐसे में आपको तय करना है कि अपना वोट किसे देना है। आपके एक गलत वोट से देश में गो हत्या, जाति और वर्ग संघर्ष की स्थिति पैदा होगी। इस पर आपको आने वाली पीढ़ी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि देश और बुंदेलखंड बुलेट ट्रेन की स्पीड से आगे बढ़ रहा है। हमे इस स्पीड को जारी रखना है इसके लिये आपको कमल के निशान पर वोट करना है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बुंदेलखंड को पेयजल के लिए तरसाया, उन्हे अब एक–एक वोट के लिए तरसाने का वक्त आ गया है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री रामकेश निषाद, विधायक प्रकाश द्विवेदी, ओम मणि वर्मा, पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व सांसद रमेश चंद्र द्विवेदी, बीजेपी के जिलाध्यक्ष संजय सिंह, जिलाध्यक्ष चित्रकूट लवकुश चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे।

277 लीटर कच्ची शराब, दो कुंतल लहन बरामद

चित्रकूट(आरएनएस)। एसपी के निर्देशन में अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पुलिस ने दो लोगों के कब्जे से 277 लीटर कच्ची शराब व दो क्विंटल लहन, शराब बनाने के उपकरण बरामद किये हैं।प्रभारी निरीक्षक राजापुर मनोज कुमार ने बताया कि एसआई कन्हैया बक्स सिंह ने टीम के साथ ग्राम सिरावल माफी में छोपेमारी कर राममिलन उर्फ भुन्ना निषाद पुत्र जौखी निषाद को 204 लीटर कच्ची शराब, दो क्विंटल लहन व शराब बनाने के उपकरणो के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद लहन को मौके पर ही नष्ट किया गया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही की गई है। इसी क्रम में चौकी प्रभारी सीतापुर गौरव तिवारी ने टीम के साथ संजय पुत्र भगवानदीन निवासी लूसरिया मंदाकिनी रघुराज नगर थाना नयागांव जिला सतना मप्र को 73 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

2 वारंटी गिरफ्तार

चित्रकूट। राजापुर थाना के एसआई कन्हैया बक्स सिंह ने टीम के साथ वारंटी चुनकावन यादव उर्फ नवी पुत्र बलदेव व अभिषेक उर्फ शेरा पुत्र देवशरण निवासीगण छीबो को गिरफ्तार किया है।

ड्रोन कैमरे से शहर में की गई निगरानी

चित्रकूट(आरएनएस)। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में लोकसभा सामान्य निर्वाचन एवं जनपद बांदा के अतर्रा में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुये सुरक्षा के दृष्टिगत प्रभारी सर्विलांस व एसओजी एमपी त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम ने कर्वी शहर के धनुष चौराहा, पटेल तिराहा, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन आदि विभिन्न स्थानों पर ड्रोन कैमरे से निगरानी की। इस दौरान एसओजी प्रभारी ने सूचना के आधार पर कुछ संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कराई। बताया गया कि आगे भी जनपद के शहर, कस्बे, ग्रामीण इलाकों एवं वन क्षेत्रों की निगरानी निरन्तर ड्रोन कैमरे के माध्यम से की जायेगी।

वाहन की टक्कर से दो दिव्यांग छात्र घायल

चित्रकूट(आरएनएस)। सब्जी खरीदकर वापस जा रहे दिव्यांग छात्र चार पहिया वाहन की टक्कर से घायल हो गए। विवि के केयरटेकर ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

ये दुर्घटना सीतापुर चौकी क्षेत्र के दिव्यांग विवि के समीप बीती देर शाम हुई। बताया गया कि एमए के दिव्यांग छात्र राहुल (22) पुत्र गुलाब सिंह, बीजीसी छात्र अरविन्द (22) पुत्र बलराम सब्जी खरीद कर वापस विवि जा रहे थे। तभी अज्ञात चार पहिया वाहन ने ठोकर मार दिया। जिससे दोनो घायल हो गए। यह जानकारी होने पर विवि के केयरटेकर पंकज ने आनन फानन जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

25 करोड़ की सरकारी भूमि हुई कब्जा मुक्त, कब्जेदार के विरुद्ध दर्ज हुई सार्वजनिक संपत्ति क्षति किए जाने एफआईआर

लखनऊ(आरएनएस)नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के निर्देशन में अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में नायब तहसीलदार संजय सिंह तहसीलदार संजय कन्नौजिया व राजस्व निरीक्षक नगर निगम अविनाश चन्द्र तिवारी व नगर निगम लेखपाल तनुज मदान, संदीप कुमार यादव, राहुल यादव द्वारा ग्राम बेहटवा तहसील सरोजनी नगर के गाटा संख्या संख्या 253 में 0.449 हे० जो नगर निगम की भूमि है और ऊसर खाते में अंकित है।वहीं नाली गाटा संख्या 259 व 237 जिसका रकवा 0.177 हे०था, उसमें संजय रस्तोगी द्वारा 0.038 हे० अर्थात 380 वर्ग मीटर भूमि को बाउंड्री वॉल बनवा कर अपने कब्जे में अवैध रूप से कर रखा था।साथ ही ऊसर खाते की 0.449 हे० जमीन पर भी अवैध रूप से कब्जा किया था। शिकायत प्राप्त होने अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव द्वारा कल सरकारी भूमि का कल निरीक्षण कर कार्यवाही किए जाने का निर्देश दिया गया था उक्त मामले में संजय रस्तोगी के विरुद्ध थाना सरोजनीनगर में लोक क्षति निवारण अधिनियम की धारा 2ध 3 के तहत तथा 447 के तहत सार्वजनिक भूमि पर कब्जा किया जाने के संबंध में एफआईआर दर्ज करवा दी गयी है। एलडीए और नगर निगम से एनओसी का कोई अभिलेख भी नही दिखाया गया सरकारी संपत्ति को कब्जा कराए जाने सूचना उपलब्ध न कराए जाने के क्रम में संबंधित लेखपाल तनुज मदान के खिलाफ विभागीय कार्यवाही भी की जा रही है उक्त भूमि के बाजारू मूल्य लगभग 25 करोड़ का है।अतः आज ही उक्त भूमि को कब्जा मुक्त करवा कर वहां तार–बाड़ करके घेराबंदी कर नगर निगम का बोर्ड लगा दिया गया है तथा नगर निगम की भूमि पर कब्जा भी प्राप्त कर लिया गया है अवैध कब्जा को हटवाया गया है।इस कार्यवाही में ईटीएफ टीम की उपस्थिति भी बरकरार रही।

कोर्ट ने पीड़िता को दिलाया भरण–पोषण खर्च

चित्रकूट(आरएनएस)। जिला प्रशासन व समाज जिस पीड़ित विवाहिता को इंसाफ नहीं दिला पाता उसे न्याय न्यायालय दिलाता है। इसका प्रमाण देखने को उस समय मिला जब राबिया पत्नी रसीद निवासी उसरा पुरवा बदौसा जनपद बांदा के ससुराली लोगों के पशुवत उत्पीडन से परेशान होकर संबंधित न्यायालय में फरियाद लगाई। उसे संबंधित न्यायालय से वाद दायर करने पर 15 सौ रुपए घरेलू हिंसा भरण पोषण के लिए दिलाया गया। पीड़िता ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत वाद दायर किया था। इसी प्रकरण में एक दूसरे संबंधित न्यायालय में उसकी पुत्री अलकिया व उसके खर्च आदि के लिए ढाई हजार रुपए उसके पति दिलवाएं हैं।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 हेतु 13 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों तथा 01 विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र का मतदान सकुशल सम्पन्न

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों 27–शाहजहाँपुर (अ0जा0), 28–खीरी, 29–धौरहरा, 30–सीतापुर, 31–हरदोई (अ0जा0), 32–मिश्रिख (अ0जा0), 33–उन्नाव, 40–फर्रूखाबाद, 41–इटावा (अ0जा0), 42–कन्नौज, 43–कानपुर, 44–अकबरपुर, 56–बहराइच (अ0जा0) तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र 136–ददरौल में मतदान शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुआ। मतदान प्रातः 7.00 बजे से शुरू होकर सायं 6.00 बजे समाप्त हुआ।

चतुर्थ चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 13 जनपदों शाहजहाँपुर, खीरी, सीतापुर, हरदोई, कानपुर नगर, उन्नाव, एटा, फर्रूखाबाद, इटावा, औरैया, कानपुर देहात, कन्नौज तथा बहराइच जनपद तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र 136–ददरौल जनपद शाहजहाँपुर में अवस्थित हैं।

सायं 6:00 बजे तक जनपदों से प्राप्त सूचना के आधार पर प्रदेश के 13 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल औसत 58.09 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिसमें 27 शाहजहाँपुर (अ0जा0) 53.24, 28–खीरी 64.73, 29–धौरहरा 64.45, 30–सीतापुर 61.91, 31–हरदोई (अ0जा0) 57.57, 32–मिश्रिख (अ0जा0) 55.79, 33–उन्नाव 55.44 40–फर्रूखाबाद 58.97, 41–इटावा (अ0जा0) 56.38, 42–कन्नौज 61.00 43–कानपुर 53.06, 44–अकबरपुर 57.66, 56–बहराइच (अ0जा0) 57.45 तथा विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र 136–ददरौल 53.31 प्रतिशत है। मतदान की प्रक्रिया को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष बनाये रखे जाने के उद्देश्य के लिए प्रभावी पर्यवेक्षण हेतु कुल 14126 मतदेय स्थलों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर किया गया। उक्त के अतिरिक्त 5420 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई थी।

चतुर्थ चरण के पोस्टल बैलेट मतदान हेतु अर्ह श्रेणियां (यथा– 85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता, दिव्यांग, अनिवार्य सेवायें तथा मतदान कार्मिक) में 35,045 मतदाताओं द्वारा पोस्टल बैलेट कास्ट किया गया। 85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता एवं दिव्यांग मतदाताओं में जिनके द्वारा पोस्टल बैलेट का विकल्प चुना गया था, उनके घर पर जाकर मतदान दल द्वारा मतदान कराया गया। प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाये जाने हेतु मतदान दल के साथ एक माइक्रो आब्जर्वर तथा वीडियोग्राफर की तैनाती की गई थी एवं प्रत्याशियों को सम्पूर्ण प्रक्रिया को देखने हेतु स्वयं अथवा अपने अभिकर्ता को भेजने के लिए मतदान दल का शिड्यूल उपलब्ध कराया गया था एवं इस श्रेणी के अर्ह मतदाताओं की सूची भी प्रत्याशियों को उपलब्ध कराई गई थी। इस मतदान प्रक्रिया की पूरी वीडियोग्राफी कराई गई है। इसके अतिरिक्त कुल 34189 सेवा मतदाताओं को भी रिटर्निंग अधिकारी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से (ईटीपीबीएस) पोस्टल बैलेट का प्रेषण किया गया। 15979 कार्मिकों को ई0डी0सी0 जारी किया गया है। मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग द्वारा 13 सामान्य प्रेक्षक, 09 पुलिस प्रेक्षक तथा 17 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किये गये थे। इसके अतिरिक्त 2250 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 287 जोनल मजिस्ट्रेट, 111 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 2920 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किये गये थे। इसके अतिरिक्त भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य स्तर पर एक वरिष्ठ सामान्य प्रेक्षक, 01 वरिष्ठ पुलिस प्रेक्षक तथा 01 वरिष्ठ व्यय प्रेक्षक भी तैनात किये गये थे, जिनके द्वारा क्षेत्र में रहकर सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का पर्यवेक्षण किया गया। तुर्थ चरण के मतदान के दौरान कतिपय शिकायतें प्राप्त हुई, जिन्हें जनपद के अधिकारियों से ससमय निस्तारण कराया गया। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई थी। ईवीएम के स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अर्द्ध सैनिक बलों को दी गई है। चुनाव में सभी 26588 मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथों) हेतु मतदान के लिए आवश्यक ईवीएम एवं वीवीपैट तथा अलग–अलग जनपदों में पर्याप्त मात्रा में रिजर्व ईवीएम एवं वीवीपैट की व्यवस्था की गई थी एवं मतदान के दौरान जहाँ कहीं भी शिकायत प्राप्त हुई हैं, वहाँ तत्काल प्रभावी कार्यवाही करते हुए ईवीएम एवं वीवीपैट को बदलने की कार्यवाही की गई है।जनपदों से प्राप्त सूचना के अनुसार मॉक पोल के दौरान कुल 131 बैलेट यूनिट, 210 कन्ट्रोल यूनिट एवं 286 वीवीपैट बदले गये एवं मतदान प्रारम्भ होने के पश्चात सायं 6:00 बजे तक कुल 53 बी0यू0, 53 सी0यू0 एवं 201 वीवीपैट बदले गये।

विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र ददरौल में मॉकपोल के दौरान 02 बी0यू0, 03 सी0यू0 तथा 05 वीवीपैट बदले गये। मतदान प्रारम्भ होने के पश्चात सायं 06 बजे तक कुल 01 बी0यू0, 01 सी0यू0, 03 वीवीपैट बदले गये। चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराया गया एवं किसी अप्रिय घटना की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 14 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

एल्डको सौभाग्यम मे हरे कृष्ण महामंत्र की गूंज से सम्पूर्ण परिसर हुआ कृष्णमय

संजीव कुमार शुक्ला

लखनऊ रूश्री श्री राधा रमण बिहारी मंदिर (इस्कॉन) सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ द्वारा दो दिवसीय ष्श्रीमद भगवत गीता सेमीनारष् का आयोजन 12.05.2024 रविवार को सायं 06रू00 बजे, एल्डको सौभाग्यम, शहीद पथ, वृन्दावन योजना, लखनऊ मे किया गया, जिसके द्वितीय एवं अंतिम दिवस का शुभारम्भ मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी, मन्दिर निर्माण समिति के अध्यक्ष आनंद स्वरुप अग्रवाल प्रभुजी एवं अन्य भक्तों ने दीप प्रज्जवलित कर किया द्वितीय एवं अंतिम दिवस इस्कॉन मंदिर अध्यक्ष एवं वक्ता श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभु जी ने बताया कि हिन्दू धर्म में 33 करोड़ देवी देवताओं में से परम पुरुषोत्तम श्रीकृष्ण ही मूल हैं, उन्होंने हमें बताया कि आध्यात्मिक दृष्टि से देखने पर यह ज्ञान होता है कि अच्छे लोगों के साथ बुरा तथा बुरे लोगों के साथ अच्छा कभी नहीं हो सकता है। यह तभी तक रहता है जब तक व्यक्ति के पुण्य उसके साथ रहते हैं।

श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण अनंत शक्तिशाली हैं, जो पूर्ण ज्ञानवान, पूर्ण सौंदर्यवान, पूर्ण बलवान, पूर्ण ध्ानवान, पूर्ण यशवान एवं पूर्ण वैराग्यवान हैं, जो सभी को आकर्षित

करने वाले हैं ।अन्त में श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी ने बताया कि यदि हम आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो सभी धर्म ग्रंथों में समान शिक्षा दी गयी है स श्रीमद भगवत गीता के अनुसार परम पुरषोत्तम श्रीकृष्ण ही परम ईश्वर हैं। अलग अलग धर्मों में उन्हें अलग अलग नामों से जाना जाता है। जिस तरह से सूर्य एक ही होता है लेकिन अलग अलग जगह पर अलग अलग भाषा मे उसको अलग अलग नाम दिया गया है। ठीक उसी तरह ईश्वर भी एक ही है उसे अलग अलग नामों से पुकारा जाता है सभगवत गीता सेमीनार में एल्डको सौभाग्यम, लखनऊ एवं आस–पास के गणमान्य भक्त उपस्थित रहे, सभी भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण के भजन कीर्तन तथा विशेष भोजन प्रसाद का आनंद उठाया

मित्रों के साथ मिलकर बेटे ने की पिता की हत्या

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)चार मई को राया क्षेत्र में ग्राम आयरा के पास प्लाट में मिले अज्ञात व्यक्ति के अधजले शव की पहचान करने के बाद हत्या की घटना का चौंकाने वाला खुलासा किया है। होमोसेक्सुअल मित्रों के साथ मिलकर बेटे ने ही पिता को मौत के घाट उतारा था। पहचान छुपाने के लिए चेहरे को जला दिया था।

बेटे के होमोसेक्सुअल संबंधों का पिता विरोध करता था। इसको लेकर बाप बेटे में आये दिन झगडे होते थे। इसके बाद पुत्र ने पिता की हत्या की साजिश रखी और अपने मित्रों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दे दिया। घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक के बेटे और मुख्य अभियुक्त अजीत निवासी अन्तापाडा थाना कोतवाली, कृष्णा पुत्र मुन्ना लाल निवासी प्रताप नगर चौराहा लक्ष्मी नगर थाना जमुनापार, लोकेश पुत्र राकेश निवासी घीया मंडी भार्गव गली चौक बाजार थाना कोतवाली तथा दीपक पुत्र लालाराम निवासी मौहल्ला गुजराना चौबियापाड़ा थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया है। शव की शिनाख्त और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए थाना राया पर तीन टीमें गठित की गईं थीं। छह मई को थाना कोतवाली पर मोहनलाल शर्मा पुत्र आनन्द मूर्ति निवासी अन्तापाडा थाना कोतवाली मथुरा के गुम होने की मौखिक सूचना प्राप्त हुई थी। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना राया अशोक कुमार, एसआई राजकुमार थाना राया, एसआई थाना राया कृष्ण कुमार, एसआई थाना राया विनय कुमार, एसआई दीपक नागर थाना राया, प्रभारी स्वाट टीम अभय कुमार शर्मा, सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा, संजीव कुमार थाना महावन आदि थे।

मुठभेड में गोली लगने से दो हुए घायल

लोकेश व दीपक माहौर को यमुनापुल के नीचे शमशान घाट के पास से गिरफ्तार किया जबकि रात के समय राया हाथरस रोड भूडरी बम्बा के पास से पुलिस मुठभेड़ के बाद अजीत व कृष्णा वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त अजीत व कृष्णा को बाएं पैर की पिंडली में गोली है। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मातृ शक्ति सम्मान समारोह संग आनंदोत्सव कार्यशाला संपन्न

झाँसी! सामाजिक संस्था नव–प्रभात के तत्वाधान में महानगर महिला प्रकोष्ठ ष्कृतिष्ष् द्वारा सभी आयु वर्ग की महिलाओं लड़कियों को सशक्त व स्वाबलंबी बनाये जाने के उद्देश्य से नारी अंतर्मन की रचनात्मक ध् सृजनात्मक प्रतिभाओं का सर्वोत्कृष्ट विकास करने में सहयोगी महिला सदस्यों के आनंद–उल्लास–मनोरंजन समूह ग्रुप कृति फ्रेंडस क्रिएटिविटी क्लब की महिला सदस्यों द्वारा नव उमंग नव उल्लास महापर्व मातृ दिवस आनंदोत्सव के शुभ अवसर पर एकदिवसीय नारी सशक्तिकरण संकल्प संग वरिष्ठ मातृशक्ति का सम्मान समारोह एवं आनंदोत्सव कार्यशाला का आयोजन स्थानीय रुफ कैफे, झांसी में किया गयामातृ दिवस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संस्था महिला प्रकोष्ठ कृति राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपम अग्रवाल उपस्थित रहीं। मातृ दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता समूह वरिष्ठ सखी प्रिया अवस्थी ने की

प्रेक्षक द्वारा दी गई 136 माइक्रो ऑब्जर्वर को ट्रेनिंग

झांसी! लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 हेतु नियुक्त 136 माइक्रो ऑब्जर्वर की ट्रेनिंग मा0 प्रेक्षक द्वारा अपनी उपस्थिति में जीआईसी में कराई गई प्रेक्षक महोदय द्वारा सभी माइक्रो ऑब्जर्वर को अपना प्रतिनिधि बताते हुए सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का अनुश्रवण करने के निर्देश दिये, उनके द्वारा माइक्रो ऑब्जर्वर हेतु निर्धारित चेक लिस्ट के प्रत्येक बिंदु पर ध्यान देने के निर्देश दिये गये सामान्य प्रेक्षक द्वारा जीआईसी इंटर कॉलेज में पीठासीन अधिकारी, मतदान कार्मिक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को सामान्यध् तकनीकी दिये जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी ली और गुणवत्ता को परखा इस अवसर पर प्रभारी अधिकारी कार्मिक/मुख्य विकास अधिकारी श्री जुनैद अहमद, जिला विकास अधिकारी श्री सुनील कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे

मातृ शक्ति सम्मान समारोह 102 वर्षीय बुजुर्ग महिला को सम्मानित किया

झांसी! मातृ शक्ति सम्मान समारोह दिवस के अवसर पर रामराजा सरकार वृद्ध सेवा न्यास की अध्यक्ष पल्लवी चतुर्वेदी द्वारा 102 वर्षीय कुंज माता जी को साड़ी फल मिठाई देकर बुजुर्ग महिला मातृ शक्ति को राम राजा सरकार संस्था के सदस्यों ने सम्मानित किया इस दौरान 102 वर्षीय कुंज माता जी ने राम राजा न्यास के सभी सदस्यों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया इस दौरानअध्यक्ष पल्लवी चतुर्वेदी, दिलीप चतुर्वेदी, अशोक पांडेय, प्रफुल सक्सेना,प्रीति,सरोज चतुर्वेदी,सीमा चौबे, वन्दना पांडेय, वारिस राजपूत आदि सदस्य मोजूद रहे

माता-पिता का पूजन कर अनेकों जगह संस्कार सेना ने मनाया मातृ दिवस

भोपाल । 12 में मातृ दिवस पर संस्कार सेना द्वारा भारत के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर माता–पिता पूजन करते हुए युवा पीढ़ी को माता–पिता के प्रति सम्मान का संदेश दिया ।इसी क्रम में भोपाल के पंचमुखी हनुमान मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महामंडलेश्वर श्री राम भूषण दास जी महाराज, संस्कार सेना के संस्थापक हरभजन जांगड़े , युवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित यादव मंडलोईराष्ट्रीय प्रवक्ता नीलेश पाठक प्रकाश दुबे,राष्ट्रीय सचिव अलका धुर्वे , प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष,विमलेश ठाकुर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी प्रकाश दुबे कार्यक्रम की आयोजिका श्रीमती रेखा सोनी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ ,राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहरा ,आनंद यादव ,राजेंद्र कुमार सोनी, सुरेश कुमार सोनी कटंगी वाले, राशू सोनी इंद्र जटिया जी, राजेंद्र शर्मा जी,बुजुर्ग माता–पिता बच्चे सहित कालोनी के गणमान्य नागरिक आदि उपस्थित रहे रायसेन में राष्ट्रीय सचिव गिरजेश कुशवाहा प्रदेश सचिव बबलू वर्मा द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर माता–पिता बुजुर्गों का सम्मान किया इसी क्रम में छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष यशवंत रघुवंशी के नेतृत्व में छिंदवाड़ा गांव दिल्ली वृद्ध आश्रम में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्षा श्रीमती राधा डेहरिया एवं नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष मनमोहन सोनी, उपाध्यक्ष रामपाल रतन कोषाअध्यक्ष आलोक कुमार जैन जिला संयोजक शैलेंद्र कुमार जैन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अशोक कुमार जैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ डॉ मीरा पराड़कर प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अलका शुक्ला मैडम सहित गुरुजी एवं समस्त संस्कार सेना के पदाधिकारी के द्वारा वृद्ध माता–पिता का सम्मान किया तो माताएं भावुक होकर रोने लगी

हिंदी सिरियल रब्बा कैसी ये प्रीत बनाई की शूटिंग मुहूर्त के साथ हुई शुरू

हिट्स एंड वायरल प्रोडेक्शन के बैनर तले निर्माणाधीन हिंदी सीरियल ष्रब्बा ये कैसी प्रीत बनाईष् की शूटिंग स्थल पर कलाकारों पर फिल्माए जा रहे सीन एक्शन और कट का स्थानीय लोगों ने खूब लुत्फ उठाया ।जिसका निर्देशन राइटर ,एक्टर और डायरेक्टर सुधीर सिन्हा कर रहे हैं जो खुद रंगमंच के साथ ही छोटे और बड़े परदे के मंझे कलाकार हैं। सुधीर सिन्हा के निर्देशन में शहर में फिल्माई जा रही हिंदी सीरीज रब्बा कैसी ये प्रीत बनाई का भव्य मुहूर्त होने के साथ ही विभिन्न लोकेशनों पर इसकी शूटिंग शुरू हुई ।संगम, कटरा,मेरी लूकस कंपाउंड,बेनी गंज , नैनी ,चांडी करछना के साथ ही अन्य लोकेशनों में जब इसके शॉट फिल्माए गए तो स्थानीय लोगों की भीड़ ने भी डायरेक्टर सुधीर सिन्हा की आवाज साइलेंस प्लीज ,रोल साउंड,रोलिंग और एक्शन और कट बोलते ही कलाकारों के बेहतरीन संवाद अदायदी को देखा।वहीं शूट के दौरान भीषण उमस के बीच कलाकारों के उत्साह में कोई कमी नहीं रही और शूट भव्य तरीके से चलता रहा। सीरियल के डायरेक्टर सुधीर सिन्हा जानकारी देते हुवे बताते हैं कि प्रयागराज और इसके आस पास काफी अच्छी अच्छी लोकेशंस हैं और आगे के भी जो प्रोजेक्ट लाइन में हैं उन्हें भी पूरी कोशिश होगी कि अन्य कलाकारों के साथ स्थानीय कलाकारों को उसमे शामिल कर यहीं पर शूट किया जाए। उन्होंने जानकारी देते हुवे बताया कि शूट के दौरान ही इस सीरीज में एक कलाकार के मां की अचानक तबियत खराब हो जाने के चलते उन्हें खुद एक प्रमुख भूमिका को निभाना पड़ रहा है यही नहीं इनके साथ ही मुख्य भूमिका में बाजीराव बब्बन यादव , सपना सिंह की हिट जोड़ी ही है जो कई फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने सफल रही हैं। चरित्र अभिनेताओं की बात करें तो इसमें प्रयागराज के स्थानीय कलाकारों के अलावा रंगमंच ,रेडियो और दूरदर्शन में अपने अभिनय का जलवा बिखरने वाले कई बड़े कलाकार काम कर रहे हैं जिनमे से अनुश्रीय पॉल , चौताली राय , आकांक्षा पारुल, प्रतिमा श्रीवास्तव , सुशील आर्य, जय प्रकाश, नवोदित कलाकारों में शिक्षा पटेल,कांति ,मोनिका,लक्ष्मी,शुकन्या के साथ ही रील बनाने वाले कलाकार अखिल जी अकेला के साथ अन्य कई कलाकार इस सीरीज का हिस्सा है और अनुभवी डीओपी हिमांशु यादव है ।

लॉन टेनिस में सी.एम.एस. छात्रा अरुंधति को डबल्स खिताब

लखनऊ, 13 मई। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस के कक्षा–10 की प्रतिभाशाली छात्रा अरुंधति सिंह डागुर ने प्रयागराज में आयोजित अण्डर–18 नेशनल लॉन टेनिस चौम्पियनशिप के अन्तर्गत डबल्स प्रतियोगिता में विजेता ट्राफी जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का परचम लहराया है। अरुंधति ने यह डबल्स खिताब बिहार की हर्षिका सिंह के साथ जीता है। चौम्पियनशिप का आयोजन डायरेक्टोरेट ऑफ स्पोर्टस, यूपी एवं उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस उदीयमान टेनिस खिलाड़ी के उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस चौम्पियनशिप में देश भर के प्रतिष्ठित विद्यालयों के चुने हुए छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच अरुंधति ने अपने दमखम व अभूतपूर्व खेल प्रतिभा की बदौलत डबल्स खिताब जीतकर साबित कर दिया कि सी.एम.एस. की यह छात्रा आने वाले समय में देश का नाम अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर रोशन करने को संकल्पित है। सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु खेलों व समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें खेलों व अन्य सामाजिक क्षेत्रों के लिए भी विशेष रूप से तैयार करने में पूरे मनोयोग से संलग्न है।

सी.एम.एस. के नये 'शालीमार वन वर्ल्ड कैम्पस में 'समर कैम्प' का आयोजन

मनोरंजक शैक्षिक गतिविधियों, खेलकूद व गीत-संगीत में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

लखनऊ, 13 मई। गोमती नगर स्थित सिटी मोन्टेसरी स्कूल के नये 'शालीमार वनवर्ल्ड कैम्पस' में गर्मी की छुट्टियों के सर्वश्रेष्ठ सदुपयोग एवं छात्रों की सृजनात्मक प्रतिभा को निखारने हेतु इन दिनों समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जहाँ विद्यालय के छात्र अपनी रूचि के अनुसार निःशुल्क खेलकूद, जूडो–कराटे, टेबल–टेनिस, नृत्य–संगीत, वाद्य यंत्र, ऐरोबिक्स, पेन्टिंग आदि विभिन्न विधाओं में पारंगत हो रहे हैं। समर कैम्प का उद्देश्य छुट्टियों के दौरान छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से व्यस्त रखना, उनकी फिजिकल फिटनेस को बनाये रखना एवं मजेदार तौर–तरीकों से उनकी क्षमताओं को बढ़ाना है। इस दौरान छात्र रूचिपूर्ण शैक्षिक गतिविधियों के साथ नई–नई चीजें सीख रहे हैं। सी.एम.एस. शालीमार वन वर्ल्ड कैम्पस की प्रधानाचार्या सुश्री प्रियंका अग्रवाल ने कहा कि समर कैम्प में बच्चों की नैसर्गिक प्रतिभा को उभरने का अवसर मिलता है, जहाँ छात्र मनोरंजन के साथ ही अपनी रुचि की चीजें सीख सकते हैं। सुश्री अग्रवाल ने जोर देते हुए कहा कि छात्रों का सर्वांगीण विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए हम कोई कोर–कसर बाकी नहीं रखेंगे। सी.एम.एस. का यह नया 'शालीमार वनवर्ल्ड कैम्पस' अमर शहीद पथ, सेक्टर–6, गोमती नगर में स्थित है, जिसमें शुरूआत में अभी प्री–प्राइमरी से कक्षा–7 तक के बच्चे उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तथापि आने वाले समय में और कक्षाओं का विस्तार होगा।

भाजपा दलित हितैषी, पूरा कर रही बाबा साहब का सपना–कांता कर्दम

बाबा साहब ने हमको दिया दुनिया का सबसे अच्छा संविधान मेनका

सुलतानपुर(आरएनएस)। कादीपुर में भाजपा द्वारा आयोजित अनुसूचित मोर्चा सम्मेलन कों बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व सांसद कांता कर्दम ने कहा भाजपा ही दलितों की हितैषी पार्टी है। भाजपा डॉ अंबेडकर के सपने को साकार कर रही है। उन्होंने कहा 2017 से पहले यूपी में गुंडाराज व अराजकता का माहौल था। बहन बेटियां सुरक्षित नहीं थी।लोगों ने बेटियों को स्कूल जाना बंद कर दिया था। वही पीएम ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और बेटी को बढ़ाओ के नारे को साकार कर रहे हैं।उन्होंने कहा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ और सम्मान दोनों हमारे समाज को भरपूर मिल रहा है। अब तक सपा बसपा और कांग्रेस दलितों को वोट बैंक समझते थे। उनके हित में कोई भी काम और योजनाएं लागू नहीं की।उन्होंने समाज के लोगों से मेनका संजय गांधी को ऐतिहासिक मतों से जिताने की अपील की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांसद मेनका ने कहा बाबा साहब की वजह से हमारा संविधान दुनिया का सबसे अच्छा संविधान है। प्रधानमंत्री ने उनके जीवन से जुड़े पांच स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है।श्रीमती ने बताया कि वह जब अटल जी के समय केंद्र में मंत्री थी तब उन्होंने मुझसे कहा पूरे देश को अंबेडकर के बारे में जानकारी होनी चाहिए। मेरे मंत्रालय ने अंबेडकर नाम की फिल्म बनाकर देश के साथ– साथ विदेशों में भी दिखाई और लोगों को अंबेडकर की शख्सियत के बारे में जानकारी हुई।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 14 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

भ्रामक प्रचार से बाज आना चाहिए

देश में हिंदुओं की आबादी में कमी आ रही है। धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारीरू राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण (1950–2015) दस्तावेज में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने खुलासा किया है।इसमें हिन्दू आबादी के 7.82 फीसद कम होने के साथ मुसलमानों की 43.15 फीसद बढने की बात की गई है। सिखों की आबादी 1.24 फीसद से बढकर 1.85 फीसद तथा इसाइयों की 2. 24 फीसद से बढ कर 2.36 फीसद हो गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार बौद्ध भी बढ़े हैं, जबकि जैन व पारसियों की संख्या घटी है।यूं तो जनसंख्या के आंकड़े जनगणना के माध्यम से आते हैं। जो 2011 के बाद से नहीं हो सकी है। जनगणना 2021 में प्रस्तावित थी, जो करोना महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। इस अध्ययन में बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक आबादी में आए उतार–चढाव के अंतरराष्ट्रीय रुझान का पता लगाने के लिए 167 देश शामिल थे, जिसके मुताबिक भारतीय उपमहाद्वीप में मुस्लिम आबादी की बढ़ोत्तरी सबसे ज्यादा हुई।जबकि बांग्लादेश में 10 फीसद व पाकिस्तान में 10 फीसद मुसलमानों की आबादी में बढ़त देखी गई। देश में मौजूदा वक्त में लोक सभा चुनाव चल रहे हैं, जिसमें सत्ताधारी दल पहले ही धार्मिक आधार पर बयानबाजियां करने और समाज में दरारें पैदा करने में हिचक नहीं रहा है। ऐसे में इस रिपोर्ट का प्रचार खास समुदाय को निशाना बनाने में सहायक साबित हो सकता है। विपक्ष भी इसे चुनावी चाल कह आरएसएस का एजेंडा चलाने का आरोप लगा रहा है।वास्तव में हम धर्मनिरपेक्ष देश हैं, जिसमें सभी धर्मो का बराबर सम्मान किया जाना और उनके साथ सहिष्णुता बरतना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। मुसलमानों की आबादी बढने के कारणों में यूं तो उनकी चार शादियां, धर्मांतरण व घुसपैठ को दोषी ठहराया जा रहा है, जबकि इसके पीछे अशिक्षा व जागरूकता की कमी अधिक है।विशेष समुदाय पर देश की जनसांख्यिकी बदलने के प्रयासों का आरोप मढना कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस हकीकत को झुठलाया नहीं जा सकता कि दुनिया भर में मुसलमानों की आबादी सबसे तेजी से बढ़ रही है। बीते सौ वर्षो में वे 12.5 फीसद से बढकर 22.5 फीसद हो चुके हैं। इसलिए केवल भारत में मुसलमानों की बढ़ती जनसंख्या के लिए भ्रामक प्रचार से बाज आना चाहिए। साथ ही उन्हें जागरूक करने और सेहत संबंधी फायदों के विषय में आगाह करने के प्रयास करने चाहिए।

विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही

दिनांक 1 मई, 2024 को अप्रैल, 2024 माह में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संग्रहण से संबंधित जानकारी जारी की गई है। माह अप्रैल 2024 के दौरान जीएसटी का संग्रहण पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 2.10 लाख करोड़ रु पये के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। वित्त वर्ष 2022 में जीएसटी का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रु पये रहा था, जो वित्त वर्ष 2023 में बढकर 1.50 लाख करोड़ हो गया एवं वित्त वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रु पये के स्तर को पार कर गया।

अब तो अप्रैल, 2024 में 2.10 लाख करोड़ रु पये के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रु चि बढ़ी है, अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में हिचकिचाहट रहती थी और अर्थव्यवस्था विश्व की हिचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी, परंतु केवल 10 वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। आज भारत आर्थिक क्षेत्र में वैश्विक मंच पर नित रिकार्ड बना रहा है।

वैश्विक स्तर पर विदेशी प्रेषण के मामले में भारत प्रेषण प्राप्तकर्ता के रूप में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। भारत में सबसे बड़ा सिंक्रोनाईजड बिजली ग्रिड है। बैंकिंग क्षेत्र में वास्तविक समय लेन देन की सबसे बड़ी संख्या आज भारत में ही संपन्न हो रही है। भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश है एवं विश्व में मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता बन गया है। भारत में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सडक नेट्वर्क है। मात्रा की दृष्टि से भारत में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा फार्मास्यूटिकल्स उद्योग है।

भारत में विश्व में तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेट्वर्क है। भारत ने स्टार्टअप विकसित करने के उद्देश्य से विश्व का तीसरा सबसे बड़ा पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा कर लिया है। भारत का स्टॉक बाजार, पूंजीकरण के मामले में विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत में विश्व का चौथा सबसे बड़ा रेल नेट्वर्क है। विश्व में पैटेंट के लिए आवेदन किए जाने वाले देशों में भारत छठे स्थान पर आ गया है। 10 वर्षो के दौरान शेयर बाजार में निवेशकों को अपार सफलता हासिल हुई है और सेंसेक्स ने 200 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि दर्ज की है। निफ्टी ने भी इसी अवधि में 206 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि दर्ज की। यह स्थानीय एवं विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास जता रहा है। भारत में शेयर बाजार में व्यवहार करने के उद्देश्य से खोले जाने वाले डीमेट खातों की संख्या 2014 में 2.2 करोड़ थी जो 2024 में बढकर 15.13 करोड़ हो गई है अर्थात 10 वर्षो में 7 गुणा से अधिक। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी काफी सुधार हुआ है।

भारतीय नागरिकों में आज स्व का भाव जगाने में भी कामयाबी मिली है, जिसके चलते स्वदेश निर्मित वस्तुओं का उपयोग बढ़ रहा है एवं अन्य देशों से विभिन्न उत्पादों के आयात कम हो रहे हैं। इसके चलते भारत के विदेशी व्यापार घाटे में सुधार दृष्टिगोचर है। भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी मामूली वृद्धि दर्ज हो रही है। भारत में नागरिक का औसत जीवन 2022 के 62.7 वर्ष से बढकर 67.7 वर्ष हो गया है, जो स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के चलते ही संभव हो सका है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रतिवेदन के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में पिछले 12 महीनों के दौरान 6.3 प्रतिशत की वृद्ध दर्ज हुई है। एक सर्वे के अनुसार, आज भारत में 36 प्रतिशत कंपनियां आगामी 3 माह में नई भर्तियां करने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं, इससे में रोजगार के लाखों अवसर निर्मित होते दिखाई दे रहे हैं। गरीब वर्ग को भी केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाए जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं।जल जीवन मिशन ने पूरे भारत में 75 प्रतिशत से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करके मील का पत्थर हासिल कर लिया है।

अरविंद केजरीवाल के ताबड़तोड़ सियासी हमलों के गहरे निहितार्थ को ऐसे समझिए

अरविंद केजरीवाल के ताबड़तोड़ सियासी हमलों से स्पष्ट है कि भाजपा को वह कहीं का भी नहीं छोड़ना चाहते हैं, ताकि वह उनके खिलाफ सियासी षड्यंत्र रचने के काबिल ही नहीं बचे। जैसे पहले उन्होंने कांग्रेस को कमजोर किया और जब खुद कमजोर हुए तो फिर उसी कांग्रेस से गठबंधन करके अपनी सियासी लाज बचा ली।आम चुनाव 2024 के नाम पर सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत के बाद तिहाड़ जेल से बाहर निकले आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी समेत इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के हित चुनावी विसात बिछानी शुरू कर दी। इसी क्रम में उन्होंने भाजपा पर ताबड़तोड़ हमले किए, जिससे उनके पुराने तल्ख तेवर हर किसी के जेहन में जिंदा हो गए। दरअसल, पहले दिल्ली, फिर पंजाब से कांग्रेस के पांव उखाड़ने के बाद एमसीडी, दिल्ली में भाजपा की जड़ें खोदने वाले अरविंद केजरीवाल एक बार फिर पुराने सियासी अंदाज में आ चुके हैं, जिसके गहरे सियासी मायने हैं। पहला, अगला पीएम कौन होगा, इस पर संशय खड़ा करके खुद भी रेस में बने रहने का मंसूबा पाले हुए हैं, क्योंकि इंडिया गठबंधन में इस बात पर फैसला 4 जून को चुनाव परिणाम आने के बाद ही होगा। उनकी सोच है कि कांग्रेस यदि सम्मानजनक सीट नहीं जीत पाई तो गठबंधन साथियों की लॉटरी लग जाएगी और फिर किसका नाम पीएम पद के लिए उछलेगा, पहले बताना बेईमानी होगी। इसलिए अरविंद केजरीवाल का यह कहना कि यदि पीएम नरेंद्र मोदी जीते तो अगले वर्ष वह रिटायर हो जाएंगे, फिर शाह को पीएम बनाएंगे, एक ऐसा रणनीतिक हमला है, जिसके बाद भाजपा के अंध भक्त भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर हो जाएंगे। कारण कि एक तो अमित शाह अल्पसंख्यक जैन समुदाय से आते हैं, जिसका कोई जातीय जनाधार नहीं है, और दूसरे यह कि उनसे ज्यादा सीनियर और योग्य लोग पार्टी में भरे पड़े हैं। भले ही पीएम मोदी से निकटता के चलते उन्हें प्रोमोट किया गया, लेकिन उनका सियासी वर्चस्व समाप्त होते ही गृहमंत्री अमित शाह भी फिर सियासी हाशिये पर धकेल दिए जाएंगे। कुछ यही समझकर तंज कसते हुए अरविंद केजरीवाल ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि भाजपा श्इंडियाश से पूछती है कि आप का प्रधानमंत्री कौन होगा। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं, आपका प्रधानमंत्री कौन होगा? क्योंकि नरेंद्र मोदी अगले वर्ष 17 दिसम्बर को 75 साल के हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि खुद मोदी ने भाजपा में 75 साल के बाद सेवानिवृत्ति का नियम बनाया

है, जिसके तहत लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी को रिटायर्ड किया गया। उस हिसाब से वह भी अगले साल रिटायर होंगे। उसके बाद अमित शाह को पीएम बनाएंगे। दूसरा, एक देश, एक नेता के चुनाव के अपने खतरे हैं। इससे बचने के लिए ही केजरीवाल इस बात को पब्लिक डोमेन में डाल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि भाजपा वन नेशन वन लीडर मिशन पर काम कर रही है, जो दो स्तर पर चल रहा है। पहला, विपक्षी नेताओं को जेल में डाल देंगे। जैसे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को जेल में डाला। वहीं, अबकी बार जीते तो बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जेल में भेजकर विपक्ष खत्म कर देंगे। दूसरा, भाजपा नेताओं की राजनीति खत्म करना उनका मुख्य मकसद है। इस बार भाजपा जीती तो यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दो माह में हटा देंगे। अगर भाजपा जीती तो वह विपक्ष के सभी नेताओं को जेल में डाल देगी। इसलिए उससे सावधान रहने की जरूरत है। तीसरा, देश में जारी तानाशाही के विरुद्ध अरविंद केजरीवाल एक मुखर आवाज बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैं तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूँ, इसलिए मुझे अब देश के 140 करोड़ लोगों का साथ चाहिए। क्योंकि श्आपश एक छोटी पार्टी है, जिसकी दो राज्यों में सरकार है। 10 वर्ष पुरानी इस पार्टी को भाजपा ने खत्म करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक साथ हमारे चार बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया। मगर आप एक सोच है, जिसे जितना खत्म करने की कोशिश करेंगे, यह उतना ही बढ़ेगी। केजरीवाल ने आगे कहा कि भाजपा को सिर्फ आप से खतरा है, इसलिए उसके नेता हमें कुचलना चाहते हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि अगर काम करोगे तो कोई खतरा नहीं है, लेकिन उन्हें काम करने के बजाय काम करने वालों को खत्म करना है। आप के साथ उन्होंने जो किया वह जनतंत्र नहीं है। चतुर्थ, दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी ततपर है। इसलिए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र में अगली सरकार विपक्षी गठबंधन श्इंडियाश की बनेगी और आम आदमी पार्टी केंद्र में सरकार का हिस्सा होगी। तब दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने यहां तक कहा कि मुझे पद का लालच नहीं है। एक बार मैंने 49 दिन में ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन अब मैंने इसलिए इस्तीफा नहीं दिया क्योंकि भाजपा हमारी सरकार गिराना चाहती थी, इस कारण मैंने जेल में रहकर सरकार चलाई।

पांचवां, भय, भूख, भ्रष्टाचार मिटाने का वादा करने वाली भाजपा अब उसी का पर्याय बन चुकी है, जिससे लोगों में जनाक्रोश व्याप्त है। अरविंद केजरीवाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि सारे भ्रष्टाचारी भाजपा में हैं, क्योंकि जिन पर आरोप लगाया जाता है उन्हें भाजपा में शामिल कर लिया जाता है। फिर ईडी और सीबीआई से उनके केस खत्म करा दिए जाते हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि मुझे लगता है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस्तीफा नहीं देना चाहिए था। क्योंकि भाजपा का लक्ष्य केवल विपक्षी नेताओं को जेल में डालना है। जब वो हमें हरा नहीं पाए तो हमारे खिलाफ षड्यंत्र रच कि केजरीवाल को जेल भेजो सरकार गिर जाएगी। मगर हम उनकी साजिश में नहीं फंसे और मैंने जेल में रहकर ही संघर्ष किया।

सपा के लिये नाक की बात, कन्नौज–इटावा हैं खास

साल 2000 में हुए उप–चुनाव में कन्नौज सीट मुलायम सिंह के बेटे और मौजूदा सपा प्रमुख अखिलेश यादव को उतारा गया। इसके साथ ही अखिलेश ने चुनावी राजनीति में एंट्री ली। अखिलेश का राजनीति में यह प्रवेश जीत के साथ हुआ। उन्होंने इस उपचुनाव में जीत दर्ज की और लोकसभा पहुंचे।उत्तर प्रदेश में चौथा चरण समाजवादी पार्टी के लिये विशेष महत्व रखता है। चौथे चरण में 13 मई को होने वाले मतदान में 13 सीटों पर ही चुनाव भी होना है। चौथे चरण में सपा के दबदबे वाली इटावा और कन्नौज की लोकसभा की दो ऐसी सीटें है। जो कभी समाजवादी पार्टी का गढ़ हुआ करती थीं, लेकिन अब यहां खासकर इटावा में हालात काफी बदल गये हैं। फिर भी सपा की यहां जीत की संभावनाएं कम नहीं हैं। पहले बात कन्नौज की। कन्नौज लोकसभा सीट इन दिनों सपा प्रमुख अखिलेश यादव के यहां से चुनाव मैदान में कूदने के कारण सुर्खियों में है। सपा ने यहां पहले तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया था। हालांकि, नामांकन से ठीक पहले तेज प्रताप का नाम कट गया। इस सीट अखिलेश के सामने भाजपा ने अपने मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक को टिकट दिया है। बसपा के इमरान बिन जाफर भी यहां मैदान में हैं। कन्नौज हमेशा से लोकसभा सीट नहीं थी। यह 1967 में अस्तित्व में आई थी। साल 1967 में हुए आम चुनाव में कन्नौज सीट पर डॉ. राम मनोहर लोहिया को जीत मिली थी। संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उतरे लोहिया ने कांग्रेस के एसएन मिश्रा को मात्र 472 वोटों से हराया था। इसके बाद कन्नौज लोकसभा सीट 1999 के चुनाव से खास हो गई। क्योंकि कन्नौज सीट पर सपा उम्मीदवार और कोई नहीं बल्कि तब के सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव मैदान में स्वयं उतर गये थे। इस चुनाव में उनकी टक्कर किसी बड़े राजनीतिक दल के उम्मीदवार की बजाय एक गैर–मान्यता प्राप्त दल अखिल भारतीय लोकतांत्रिक कांग्रेस के प्रत्याशी से हुई। मुलायम सिंह ने लोकतांत्रिक कांग्रेस की तरफ से उतरे अरविंद प्रताप सिंह को 79,139 वोटों से हराया। 1999 के लोकसभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव ने कन्नौज के साथ ही संभल लोकसभा सीट से भी जीत दर्ज की थी। नतीजों के बाद मुलायम सिंह यादव संभल सीट से सांसद बने रहे और कन्नौज सीट से इस्तीफा दे दिया। साल 2000 में हुए उप–चुनाव में कन्नौज सीट मुलायम सिंह के बेटे और मौजूदा सपा प्रमुख अखिलेश यादव को उतारा गया। इसके साथ ही अखिलेश ने चुनावी राजनीति में एंट्री ली। अखिलेश का राजनीति में यह प्रवेश जीत के साथ हुआ। उन्होंने इस उपचुनाव में जीत दर्ज की और लोकसभा पहुंचे। साल 2004, इस बार कन्नौज सीट से एक बार फिर अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरते हैं। इस चुनाव में अखिलेश के सामने बसपा से ठाकुर राजेश सिंह थे। अखिलेश ने बसपा प्रत्याशी को 3,07,373 वोटों के विशाल अंतर से हरा दिया। पांच वर्षो के बाद 2009 के लोकसभा चुनाव में भी सपा की ओर से उतरे अखिलेश यादव ने कन्नौज सीट पर जीत हासिल की लेकिन उनकी जीत का अंतर घट गया। उन्होंने बसपा उम्मीदवार डॉ. महेश चंद्र वर्मा को 1,15,864 वोट से हराया। भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले सुब्रत पाठक 2009 में तीसरे स्थान पर रहे। 2012 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी और मुलायम सिंह यादव के उत्तराधिकारी के तौर पर अखिलेश यादव मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हुए। बाद में उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर विधान परिषद का चुनाव लड़ा और चुनाव जीत गये। फिर कन्नौज सीट पर उप–चुनाव की जरूरत पड़ गई। इसके बाद कन्नौज सीट पर उप–चुनाव हुआ जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को कन्नौज लोकसभा सीट से निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। उनके खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे दो उम्मीदवारों ने उप–चुनाव के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया था। कांग्रेस और बसपा ने अपने उम्मीदवारों को मैदान में नहीं उतारा था जबकि भाजपा उम्मीदवार अंतिम समय में अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं कर पाए थे। इस तरह से शीला दीक्षित के बाद डिंपल यादव कन्नौज सीट का प्रतिनिधित्व करने वाली दूसरी महिला बन गईं। 2014 के लोकसभा चुनाव में देश के ज्यादातर हिस्सों में भाजपा को जीत मिलती है। हालांकि, कन्नौज में पार्टी सपा के सामने हार जाती है। इस चुनाव में डिंपल यादव ने भाजपा उम्मीदवार सुब्रत पाठक को रोचक मुकाबले में 19,907 वोटों से हरा दिया। डिंपल को 4,89,164 वोट मिले। वहीं, भाजपा के प्रत्याशी को 4,69,257 वोट मिले, लेकिन पांच साल के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा ने देशभर की 303 सीटों पर जीत हासिल की। इनमें कन्नौज की अहम जीत भी शामिल रही। आखिरकार सुब्रत पाठक कन्नौज का किला भेदने में कामयाब हो गए। पाठक ने इस चुनाव में डिंपल यादव को 12,353 वोटों से हराया। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को 5,63,087 वोट मिले। वहीं, सपा के उम्मीदवार को 5,50,734 वोट मिले। अब बात 2024 के चुनाव की कर लेते हैं। इस बार भाजपा के प्रत्याशी के तौर पर मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक ही चुनाव मैदान में हैं। वहीं, सपा की तरफ से पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद चुनाव मैदान में उतरे हैं। जबकि डिंपल यादव मैनपुरी से चुनाव लड़ रही हैं, जहां मतदान हो चुका है बसपा ने इमरान बिन जाफर को अपना उम्मीदवार बनाया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि कन्नौज की जनता जीत का सेहरा किसके सिर बांधती है और किसे अपना जनप्रतिनिधि चुनती है। समाजवादी पार्टी के दबदबे वाली एक और इटावा सीट की बात की जो तो इस सीट पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और बीजेपी को 3–3 बार जीत मिली है हालांकि पिछले 10 साल से इस सीट पर बीजेपी का कब्जा है और इस बार पार्टी के पास हैट्रिक लगाने का मौका है। इटावा सीट पर दलित वोटर्स की बहुलता है। हालांकि ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या भी अच्छी खासी है। इटावा लोकसभा सीट समाजवादी पार्टी का अभी भी गढ़ मानी जाती थी। हालांकि पिछले दो बार से पार्टी उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ रहा है। इस बार समाजवादी पार्टी ने जितेंद्र दोहरे को मैदान में उतारा है। जबकि बीजेपी ने मौजूदा सांसद राम शंकर कठेरिया को उम्मीदवार बनाया है, जबकि बहुजन समाज पार्टी ने पूर्व सांसद सारिका सिंह को उम्मीदवार बनाया है।साल 2019 आम चुनाव बीजेपी के उम्मीदवार राम शंकर कठेरिया ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार राम शंकर कठेरिया ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार कमलेश कठेरिया को 64 हजार से ज्याद वोटों से हराया था। बीजेपी उम्मीदवार को 5 लाख 22 हजार 119 वोट मिले थे। जबकि समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को 4 लाख 57 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। कांग्रेस उम्मीदवार अशोक कुमार दोहरे को 16 हजार 570 वोट मिले थे। राजनीति के जानकार कहते हैं कि इटावा में सपा के कमजोर पड़ने की कई वजह रहीं हैं जिसमें प्रमुख तौर पर सपा द्वारा इटावा लोकसभा सीट की बजाय मैनपुरी लोकसभा सीट को ज्यादा प्राथमिकता देना विशेष है। चाचा–भतीजे के बीच की रार, पुराने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की नए पदाधिकारियों द्वारा कहीं न कहीं उपेक्षा सपा की कमजोरी का कारण बने हैं। इस लोकसभा चुनाव में चाचा शिवपाल सिंह अब सपा के साथ हैं। ऐसे में कहीं न कहीं कार्यकर्ता चुनाव में मजबूती देख रहे हैं।समाजवादी पार्टी के अपने ही गढ़ में 2014 और 2019 में लगातार दो बार चुनाव हारने के कारणों का अगर विश्लेषण किया जाए तो 2014 में जहां मोदी लहर ने भाजपा को संजीवनी दी वहीं 2017 के बाद मुलायम परिवार में चाचा भतीजे के बीच हुए मतभेदों ने पार्टी को काफी नुकसान पहुंचाया। दो खेमों में संगठन व कार्यकर्ताओं के बंट जाने के कारण 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा को नुकसान भी हुआ। हालांकि इस चुनाव में सपा बसपा का गठबंधन भी था। तब भी भाजपा अपना परचम लहराने में कामयाब रही। इस चुनाव में चाचा की पार्टी प्रसपा ने भी शंभूदयाल दोहरे को चुनाव मैदान में उतारकर वोटों का नुकसान किया था।

आज का राशिफल

मेष राशि– आज का दिन बेहद खास होने वाला है। परिवार में किसी खास रिश्तेदार के आने से खुशी का माहौल बनेगा। दोस्तों और परिवार के साथ व्यस्त रहेंगे। कोई बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी आपको मिल सकती

है। आज कुछ नए काम भी अचानक सामने आ सकते हैं। आपको सोचे हुए कामों से फायदा हो सकता है। ऑटोमोबाइल के बिजनेस में अच्छी सेल से लाभ होगा, आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। किसी जरूरी काम को करने से पहले ईश्वरका आशीर्वाद लेकर काम शुरू करेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। घर बनवाने का काम तेजी से बढ़ेगा।

शुभ रंग– नारंगी

शुभ अंक– 6

वृष राशि– आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आज राह चलते किसी अनजान व्यक्ति से बेवजह उलझने से बचें। इससे आपका ही समय बचेगा। अपनी स्थिति और योग्यता के हिसाब से ही काम करेंगे तो समाज में सम्मान मिलेगा। संयम रखने से रुकी योजनाएं सफल होंगी। किसी तरह की मानसिक उलझन से आज आपको छुटकारा मिलेगा। आज आप कोई नई भाषा सीखने के बारे में विचार करेंगे। व्यापार की गति अच्छी बनी रहेगी। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

शुभ रंग– सिल्वर

शुभ अंक– 1

मिथुन राशि– आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको माता–पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। आज खर्चों के मामले में ज्यादा दरियादिली ना रखें और ना ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर कर सकते हैं। उचित मार्गदर्शन की जरूरत रहेगी, जिसमें आपका सहयोग कारगर साबित होगा। इस राशि के जो लोग कोचिंग संचालक है अगर आज संचालन कार्य में बदलाव करें तो फायदा जरुर होगा। जीवनसाथी का सहयोग आपकी परेशानियों को कम कर देगा।

शुभ रंग– भूरा

शुभ अंक– 3

कर्क राशि– आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज नकारात्मक विचारों से बचने की कोशिश करेंगे। आज आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है। रोजगार के मामले में किसी से सलाह लेंगे। अपने स्वभाव को बैलेंस रखें आपके सभी काम बनेंगे। आज पुत्र पक्ष से सुख मिलेगा। बिजनेस में आपको कठिन मेहनत से अच्छा लाभ होगा। गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों को निभाने का पूरा प्रयास करेंगे। छात्र अपने अधूरे काम पूरा कर लेंगे। परिवार में धार्मिक आयोजन के योग बन रहे हैं, जिसमे आपका पैसा खर्च होगा। आज अचानक किसी रिश्तेदार के यहां जाना पड़ सकता है।

शुभ रंग– नीला

शुभ अंक– 4

सिंह राशि– आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आप अपने कार्यों पर ज्यादा ध्यान देंगे। जहां तक हो सके, सकारात्मक और कॉन्फिडेंट रहें। आपके जरूरी कामकाज आज पूरे होंगे। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज आस–पास के लोगों से कुछ नई बात सीखेंगे। आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाये रखने की जरूरत है।

शुभ अंक– 9

कन्या राशि–आज आपका दिन शानदार रहेगा। नौकरी पेशा वाले लोगों की अच्छी इनकम होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए भागदौड़ के उपरांत काम बन जाएगा। आज अपने विचारों को लेकर आप थोड़े जज्बाती भी हो सकते हैं। आज सगे सम्बन्धियों से अच्छे तालमेल बनेंगे। आज किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा। आज आप बच्चों के साथ किसी पार्क घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं, जहां बच्चों के साथ खूब इंजॉय करेंगे। दाम्पत्य जीवन में नई–नई खुशियां आएंगी।

शुभ रंग– भूरा

शुभ अंक– 8

तुला राशि–आज का दिन ठीक रहने वाला है। आज घर में रिश्तेदारों के आगमन से उत्सव भरा माहौल रहेगा। आज हर काम को योजनाबद्ध तरीके से करना और एकाग्र चित्त रहना आपको सफलता प्रदान करेगा।

ड्यूक विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारो में फ्री फिलिस्तीन के नारे, जेरी सीनफील्ड के विरोध में छात्रों का वॉकआउट

70 वर्षीय टीवी स्टार ने छात्रों से कहा कि वे कड़ी मेहनत करें और वही करते रहें जो उन्हें करना पसंद है। उन्होंने उन्हें उनके जीवन में अगले कदम के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने विशेषाधिकार की अवधारणा की ष्बचावष् करने की कसम खाते हुए कहा कि आप में से बहुत से लोग सोच रहे हैं, श्मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि उन्होंने इस आदमी को आमंत्रित किया है। बहुत देर हो चुकी है।

गाजा में युद्ध के दौरान इजराइल के समर्थन पर अतिथि वक्ता और हास्य अभिनेता जेरी सीनफील्ड के विरोध में कई छात्र ड्यूक विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह से बाहर चले गए। उनमें से कुछ ने विरोध के दौरान श्फ्री फिलिस्तीनश के नारे भी लगाए। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और इसमें सीनफील्ड को मंच पर बुलाए जाते ही लबादे और टोपी पहने दर्जनों छात्र अपनी सीटों से उठकर बाहर निकलते हुए दिखाई दिए। बाहर निकलते समय छात्रों को फिलिस्तीनी झंडा लहराते हुए भी देखा गया। सीनफील्ड ने मानद उपाधि प्राप्त की तो अन्य लोगों ने उनकी सराहना की और छात्रों के वाकआउट के बीच बिना किसी बड़े व्यवधान के अपना भाषण दिया। अपने भाषण के दौरान, 70 वर्षीय टीवी स्टार ने छात्रों से कहा कि वे कड़ी मेहनत करें और वही करते रहें जो उन्हें करना पसंद है। उन्होंने उन्हें उनके जीवन में अगले कदम के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने विशेषाधिकार की अवधारणा की

ष्बचावष् करने की कसम खाते हुए कहा कि आप में से बहुत से लोग सोच रहे हैं, श्मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि उन्होंने इस आदमी को आमंत्रित किया है। बहुत देर हो चुकी है। न्यूयॉर्क पोस्ट ने उनके हवाले से कहा कि मैं कहता हूं, अपने विशेषाधिकार का उपयोग करें। मैं न्यूयॉर्क के एक यहूदी लड़के के रूप में बड़ा हुआ हूं। अगर आप हास्य अभिनेता बनना चाहते हैं तो यह एक विशेषाधिकार है। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास द्वारा हमले के बाद सेनफील्ड इजरायल के लिए अपने समर्थन के बारे में मुखर रहे हैं। इसके बाद यहूदी राज्य ने गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया।

ऐसा कुछ नहीं मिला जो...निज्जर हत्याकांड में चौथी गिरफ्तारी पर ट्रूडो को जयशंकर ने दिखाया आईना

जयशंकर ने कहा, एक कांसुलर प्रथा के रूप में जब विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी की जाती है तो इसकी सूचना मूल देश की सरकार या दूतावास को दी जाती है। पिछले साल 18 जून को कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा द्वारा की गई चौथी गिरफ्तारी के जवाब में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत को उसकी जांच एजेंसियों द्वारा कुछ भी विशिष्ट और योग्य नहीं मिला है। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि अगर ओटावा ने किसी भी हिंसा से संबंधित कोई सबूत या जानकारी साझा की है जो भारत द्वारा

जांच के लिए प्रासंगिक है तो नई दिल्ली जांच के लिए तैयार है। हमें कभी भी कुछ भी नहीं मिला है, जो विशिष्ट हो और हमारी जांच एजेंसियों द्वारा जांचे जाने योग्य हो, और मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि उस संबंध में पिछले कुछ दिनों में कुछ भी बदला है।जयशंकर ने कहा, एक कांसुलर प्रथा के रूप में जब विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी की जाती है तो इसकी सूचना मूल देश की सरकार या दूतावास को दी जाती है। पिछले साल 18 जून को कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसका नाम भारत सरकार द्वारा जारी एक सूची में 40 अन्य श्नामित आतंकवादियोंश के साथ शामिल किया गया था। कनाडाई पुलिस ने शनिवार को कहा कि निज्जर की हत्या के सिलसिले में चौथे भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है, एक हफ्ते बाद पुलिस ने इस हाई–प्रोफाइल मामले से जुड़े तीन भारतीयों को गिरफ्तार किया था, जिसने कनाडा के साथ भारत के संबंधों को गंभीर रूप से तनावपूर्ण बना दिया था। कनाडा के ब्रैम्पटन, सरे और एबॉट्सफोर्ड क्षेत्रों के निवासी 22 वर्षीय अमनदीप सिंह पर प्रथम–डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था।

पिछले साल सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था. उनके दावे को भारत ने खारिज कर दिया और इसे बेतुका और प्रेरित बताया।

नेपाल के नए नोट पर भारत के पक्ष में बोलना पड़ा भारी, राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार को देना पड़ा इस्तीफा

चिरंजीवी नेपाल ने कहा कि मैंने एक अर्थशास्त्री और केंद्रीय बैंक के पूर्व गवर्नर के रूप में टिप्पणी की थी, लेकिन कुछ समाचार मीडिया ने राष्ट्रपति की सम्मानजनक संस्था को अनावश्यक रूप से विवाद में खींचने की कोशिश में इसे तोड़–मरोड़ कर पेश किया, जिससे मुझे दुख हुआ। नए नक्शे में कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा जैसे इलाके शामिल हैं। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसके हैं। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार ने तीन भारतीय क्षेत्रों को शामिल करने वाले मानचित्र के साथ सौ रुपये के नए नोट जारी करने के सरकार के फैसले पर अपनी विवादास्पद टिप्पणी के बाद इस्तीफा दे दिया है, इस कदम को भारत पहले ही खारिज कर चुका है। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति ने रविवार को चिरंजीवी नेपाल के इस्तीफे को मंजूरी दे दी।चिरंजीवी नेपाल ने कहा कि मैंने एक अर्थशास्त्री और केंद्रीय बैंक के पूर्व गवर्नर के रूप में टिप्पणी की थी, लेकिन कुछ समाचार मीडिया ने राष्ट्रपति की सम्मानजनक संस्था को अनावश्यक रूप से विवाद में खींचने की कोशिश में इसे तोड़–मरोड़ कर पेश किया, जिससे मुझे दुख हुआ। नए नक्शे में कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा जैसे इलाके शामिल हैं। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसके हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए, मैंने कुछ ऑनलाइन समाचार पोर्टलों द्वारा

किए गए प्रयास का नैतिक दायित्व लेते हुए अपना इस्तीफा दे दिया, जिन्होंने मेरे बयान के आधार पर राष्ट्रपति को विवाद में खींचने की कोशिश की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बयान में मेरा इरादा सिर्फ एक जागरूक नागरिक के रूप में लोगों को जागरूक करना था कि इस तरह के कृत्य देश और लोगों के लिए ऐसे समय में व्यावहारिक समस्याएं पैदा कर सकते हैं जब राजनयिक स्तर पर (मानचित्र पर) चर्चा चल रही है। पिछले हफ्ते कैबिनेट की बैठक में 100 रुपये के नए नोट छापते समय पुराने नक्शे के स्थान पर नए नोट छापने का फैसला किया गया। सीपीएन–यूएमएल के अध्यक्ष और पूर्व प्रधान मंत्री केपी शर्मा ओली ने चिरंजीवी नेपाल की उनकी टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी।

पाकिस्तान चीन के छूटेंगे पसीने, ईरान के साथ चाबहार पर भारत का 10 साल वाला करार क्या है ?

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा कि जब भी कोई दीर्घकालिक व्यवस्था संपन्न होगी, तो बंदरगाह में बड़े निवेश का रास्ता साफ हो जाएगा। शिपिंग मंत्रालय के एक करीबी सूत्र ने कहा कि सोनोवाल के एक महत्वपूर्ण अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है जो भारत को बंदरगाह का दीर्घकालिक पट्टा सुनिश्चित करेगा। भारत को ईरान के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है जो उसे अगले 10 वर्षों के लिए महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह के एक हिस्से पर प्रबंधन नियंत्रण देगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत चाबहार बंदरगाह प्रबंधन पर ईरान के साथ दीर्घकालिक व्यवस्था की उम्मीद करता है। सूत्रों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि केंद्रीय जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ईरान के लिए भारतीय वायु सेना की एक विशेष उड़ान में सवार हुए और उम्मीद है कि वह दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह समझौते पर हस्ताक्षर का गवाह बनेंगे। भारत अपने प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए ईरान, अफगानिस्तान और मध्य एशियाई देशों में माल परिवहन के साधन के रूप में ओमान की खाड़ी के साथ ईरान के दक्षिणपूर्वी तट पर चाबहार में बंदरगाह का एक हिस्सा विकसित कर रहा है।भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा कि जब भी कोई दीर्घकालिक व्यवस्था संपन्न होगी, तो बंदरगाह में बड़े निवेश का रास्ता साफ हो जाएगा। शिपिंग मंत्रालय के एक करीबी सूत्र ने कहा कि सोनोवाल के एक महत्वपूर्ण अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है जो भारत को बंदरगाह का दीर्घकालिक

पट्टा सुनिश्चित करेगा।चाबहार बंदरगाह पर भारत ने भारी निवेश किया है। ई दिल्ली के लिए रणनीतिक और आर्थिक महत्व रखता है। यह भारत को कराची और ग्वादर में पाकिस्तान के बंदरगाहों को बायपास करने और भूमि से घिरे अफगानिस्तान और मध्य एशियाई देशों तक पहुंचने की अनुमति देता है। इसके अलावा, इस बंदरगाह को चीन की सबसे चर्चित बेल्ट एंड रोड पहल का प्रतिउत्तर भी माना जाता है। यह व्यापारिक समुदायों के लिए संवेदनशील और व्यस्त फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य से वैकल्पिक पारगमन मार्ग का पता लगाने के लिए आर्थिक अवसरों का एक नया द्वार भी खोलता है। हालाँकि, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से इसका असर इस प्रोजेक्ट पर पड़ा था। ईरान के माध्यम से दक्षिण एशिया और मध्य एशिया के बीच एक नया व्यापार मार्ग खोलेगा। कनेक्टिविटी के मामले में अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरेशियन क्षेत्रों के बीच चाबहार पोर्ट काफी अहम साबित होगा।

2024 में दोहराया जाएगा 53 साल पुराना इतिहास, आखिर क्यों जल रहा पाकिस्तानी सेना को लोगों ने दौड़ा–दौड़ाकर पीटा

पीओके से जैसी तस्वीरें सामने आ रही है उससे कयास लगाए जा रहे हैं कि 53 साल पहले की कुछ यादों को ताजा कर रहे हैं। 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में पूरी सेना को सरेंडर करना पड़ा था। तब कपड़े भी उतारने पड़े थे। पाकिस्तान से टूटकर बांग्लादेश बना था। पाकिस्तान की हुकूमत नेपो के पर कब्जा करके तो रख लिया है। वहां के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। अब पाकिस्तान के इसी सौतेले व्यवहार के बाद से पीओके पाकिस्तान के हाथ से जा सकता है। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं की क्या पाकिस्तान के साथ 2024 में 1971 जैसा इतिहास दोहराया जाएगा। दरअसल, पीओके से जैसी तस्वीरें सामने आ रही है उससे कयास लगाए जा रहे हैं कि 53 साल पहले की कुछ यादों को ताजा कर रहे हैं। 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में पूरी सेना को सरेंडर करना पड़ा था। तब कपड़े भी उतारने पड़े थे। पाकिस्तान से टूटकर बांग्लादेश बना था।अब पीओके में शहबाज की पुलिस को कपड़े उतारने पड़े हैं। वहां की जनता ने विद्रोह कर दिया है। पाकिस्तान सरकार के अत्याचार के खिलाफ पाकिस्तान की जनता सड़कों पर है। वहां अब शाहबाज सरकार की पुलिस को अपनी जान बचाने के लिए सड़कों पर भागना पड़ रहा है। लोग पुलिसवालों की पिटाई कर रहे हैं। उनके कपड़े भी उतरवा रहे हैं। पीओके में बगावत से पूरे पाकिस्तान में टेंशन है। हालात इतने बिगड़ गए कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को आपात बैठक बुलानी पड़ी। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी पीओके के हालात पर चिंता जताई है। पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर ने तो पीओके में सेना ही भेज दी है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पीओके की जनता तो पुलिस को भगा ही चुकी है। सेना के साथ भी ऐसा कुछ नजारा देखने को मिल सकता है। ऐसा लग रहा है मानो बरसों का अत्याचार सहने वाली पीओके की जनता अब अंतिम लड़ाई के मूड में आ गयी है। पाकिस्तान की हुकूमत पीओके के साथ जैसा दोयम दर्जे का व्यवहार करती आई है अब पीओके उसे बर्दास्त नहीं करने वाला।

यांत्रिक समस्याओं के कारण बिना लैंडिंग गियर के उतारा गया विमान

पुलिस के एक बयान में कहा गया कि विमान में यांत्रिक समस्याएं थीं, जबकि एबीसी ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा कि लैंडिंग गियर खराब हो गया था। विमान का स्वामित्व पोर्ट मैक्वेरिए की ईस्टर्न एयर सर्विसेज के पास है। ऑस्ट्रेलिया में तीन लोगों को लेकर जा रहे एक विमान को सोमवार को न्यूकैसल हवाई अड्डे पर बिना लैंडिंग गियर के सुरक्षित रूप से उतारा गया। विमान ने ईंधन खत्म करने के लिए करीब तीन घंटे तक हवाईअड्डे के ऊपर का

चक्कर लगाया। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन (एबीसी) और पुलिस ने कहा कि ट्विन–टर्बोप्रॉप बीचक्राफ्ट सुपर किंग विमान ने सिडनी के उत्तर में स्थित हवाईअड्डे से पोर्ट मैक्वेरिए की 180 किलोमीटर की यात्रा के लिए उड़ान भरी ही थी तभी सुबह करीब 9.30 बजे पायलट ने यांत्रिक समस्या की ओर ध्यान दिलाया। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान लगभग तीन घंटे बाद स्पष्ट रूप से बिना किसी घटना के हवाई पट्टी पर उतरा। आपातकालीन सेवाओं के लिए दमकल गाड़ियां और एम्बुलेंस तैयार खड़ी थीं। पुलिस के एक बयान में कहा गया कि विमान में यांत्रिक समस्याएं थीं, जबकि एबीसी ने एक पुलिस अधिकारी

कनाडा में करोड़ों कनाडाई डालर की चोरी के मामले में भारतीय मूल का एक और आरोपी गिरफ्तार

पिछले महीने, भारतीय मूल के परमपाल सिद्धू (54) और अमित जलोटा (40) को ओंटारियो से, अम्माद चौधरी (43), अली रजा (37) और पी परमलिंगम (35) के साथ इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। कनाडा में टोरंटो के मुख्य हवाई अड्डे से करोड़ों डॉलर के सोने की चोरी के मामले में भारतीय मूल के 36 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। देश के इतिहास की सबसे बड़ी चोरी के इस मामले में करीब एक महीने पहले भी पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि 17 अप्रैल, 2023 को उस कंटेनर को नकली कागजी कार्रवाई का उपयोग करके एक सुरक्षित भंडारण सुविधा से चुरा लिया गया था जिसमें दो करोड़ 20 लाख कनाडाई डॉलर से अधिक मूल्य की सोने की छड़ें और विदेशी मुद्रा थी। सोना और मुद्रा स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख से टोरंटो के पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक एयर कनाडा की उड़ान से पहुंचाई गई और इसके तुरंत बाद कंटेनर को हवाई अड्डे पर एक अलग स्थान पर ले जाया गया लेकिन एक दिन बाद पुलिस को इसके गायब होने की सूचना

दी गई। पुलिस के अनुसार, जांचकर्ताओं ने भारत से आए अर्चित ग्रोवर को छह मई 2024 को टोरंटो के हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। पिछले महीने, भारतीय मूल के परमपाल सिद्धू (54) और अमित जलोटा (40) को ओंटारियो से, अम्माद चौधरी (43), अली रजा (37) और पी परमलिंगम (35) के साथ इस मामले में गिरफ्तार किया गया था।

कालेज और विश्वविद्यालयों में छात्रों ने फलस्तीन के समर्थन में किया प्रदर्शन

वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी में गवर्नर ग्लेन यंगकिन के संबोधन के दौरान सैकड़ों स्नातक छात्र बाहर चले गये। अमेरिका के डब्ल्यूआरआईसी टीवी चौनल के मुताबिक, रिपब्लिकन गवर्नर के भाषण के दौरान अनुमानित 100 छात्र उठकर बाहर चले गए और उनमें से कुछ छात्रों और उनके परिजनों ने फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन किया तो कुछ ने यंगकिन की शिक्षा नीतियों की आलोचना की। वाशिंगटन। अमेरिका के नार्थ कैरोलिना से लेकर कैलिफोर्निया तक स्थित कॉलेज और विश्वविद्यालयों में दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों द्वारा फलस्तीन के समर्थन में विरोध–प्रदर्शन किये जाने की छिटपुट घटनाएं समाने आयीं। वहीं, वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी में गवर्नर ग्लेन यंगकिन के संबोधन के दौरान सैकड़ों स्नातक छात्र बाहर चले गये। अमेरिका के डब्ल्यूआरआईसी टीवी चौनल के मुताबिक, रिपब्लिकन गवर्नर के भाषण के दौरान अनुमानित 100 छात्र उठकर बाहर चले गए और उनमें से कुछ छात्रों

और उनके परिजनों ने फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन किया तो कुछ ने यंगकिन की शिक्षा नीतियों की आलोचना की। विस्कॉन्सिन–मैडिसन विश्वविद्यालय के कैंप रान्डेल स्टेडियम में आयोजित दीक्षांत समारोह में कुछ फलस्तीन समर्थकों ने एक मौन विरोध प्रदर्शन किया। समाचार पत्र विस्कॉन्सिन स्टेट जर्नल द्वारा प्रकाशित एक तस्वीर में छह व्यक्ति स्टेडियम के पिछले हिस्से ने बाहर आते दिख रहे हैं जिनमें से दो के हाथ में फलस्तीनी झंडा नजर आ रहा है। यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है जब शुक्रवार को फलस्तीन समर्थक छात्रों ने गत शुक्रवार को पिछले दो सप्ताह से विश्वविद्यालय परिसर में जारी प्रदर्शन समाप्त करने पर सहमति जतायी थी और कहा था कि वे दीक्षांत समारोह में किसी प्रकार की बाधा नहीं डालेंगे। विश्वविद्यालय गाजा और यूक्रेन में युद्धों से प्रभावित छात्रों को समर्थन देने के लिए सहमत हुआ था। खबरों के मुताबिक, चौपल हिल स्थित नॉर्थ कैरोलिना विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने दीक्षांत समारोह शुरू होने से पहले एक इमारत की सीढ़ियों पर लाल पेंट बिखेर दिया और परिसर में नारे लगाए।

टेक्सास विश्वविद्यालय में एक छात्र ने दीक्षांत समारोह शुरू होने से पहले मंच पर हाथ में फलस्तीनी झंडा लेकर विरोध–प्रदर्शन किया। बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उसे वहां से हटाया।

को रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का सचिव नियुक्त किया

पुतिन द्वारा शोइगु के स्थान पर आंद्रेई बेलौसोव को देश के रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव रखे जाने के बाद की गई है। शोइगु ने वर्षों तक रक्षा मंत्री के तौर पर काम किया।रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने निकोलाई पेत्रुशेव की जगह सर्गेई शोइगु को रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का सचिव नियुक्त करने वाले आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। रूस के राष्ट्रपति के आवासीय परिसर क्रेमलिन ने रविवार को यह जानकारी दी। यह नियुक्ति पुतिन द्वारा शोइगु के स्थान पर आंद्रेई बेलौसोव को देश के रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव रखे जाने के बाद की गई है। शोइगु ने वर्षों तक रक्षा मंत्री के तौर पर काम किया। यह फेरबदल ऐसे समय में किया गया है तब राष्ट्रपति के रूप में पुतिन का पांचवां कार्यकाल शुरू हुआ है और यूक्रेन के साथ युद्ध जारी है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 14 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

आई पीएल 2024 में विराट कोहली का कमाल, इस मामले में रोहित शर्मा को पछाड़ा

विराट कोहली की आईपीएल 2024 में बेहतरीन फॉर्म जारी है। वह इस सीजन में सबसे ज्यादा रन जड़ने के मामले में भी पहले नंबर पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मैच में भी कोहली ने काफी तेज शुरुआत की, लेकिन जल्द आउट हो गए। वहीं उन्होंने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम करते हुए रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया है।दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में विराट कोहली ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। इस दौरान उन्होंने 13 गेंदों में 27 रन की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 1 चौका और 3 छक्के भी निकले। इसी पारी के साथ कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल में 1057 रन भी पूरी किए। अब इसी के साथ किंग कोहली आईपीएल में दिल्ली के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले

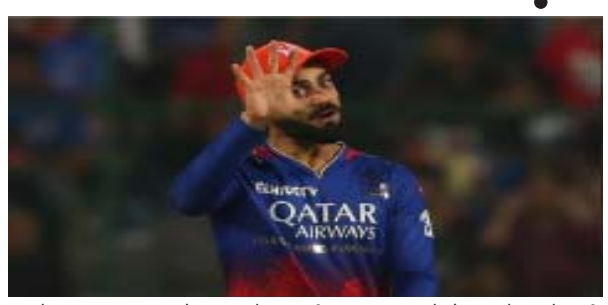

बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम पर दर्ज था। इनके नाम आईपीएल में इस टीम के खिलाफ1034 रन बाने का रिकॉर्ड दर्ज है। आईपीएल 2024 में विराट कोहली अपनी टीम आरसीबी के खिलाफ पारी की शुरुआत करते हैं। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोहली का बल्ला रन भी बनाता है। मौजूदा सीजन में विराट कोहली ने 12 मैचों में पारियों 66.10 की औसत और 155.16 की स्ट्राइक रे से 661 रन बनाए हैं और वह लीग स बसे ज्यादा रने बनाने के मामले में पहले बल्लेबाजी है।

गुजरात और कोलकाता के मैच में बारिश का साया, जानें कैसी है नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच

केकेआर प्लेऑफ में जगह बनाने में कामयाब हुई है, वह इस सीजन की पहली टीम है जो प्लेऑफ में पहुंची है। वहीं गुजरात 12 मैच जीतने के बाद प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का मौका पाने के लिए अब अगले दोनों मैच जीतने होंगे। गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2024 का मुकाबला खेला जाएगा। जहां केकेआर प्लेऑफ में जगह बनाने में कामयाब हुई है, वह इस सीजन की पहली टीम है जो प्लेऑफ में पहुंची है। वहीं गुजरात 12 मैच जीतने के बाद प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का मौका पाने के लिए अब अगले दोनों मैच जीतने होंगे। शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस ने अपने पिछले 5 में से 2 मैच में जीत हासिल की है। कोलकाता नाइट राइडर्स 11 मई

को प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बनी। वहीं केकेआर ने अपने 12 में से 9 मैच जीते हैं। केकेआर आईपीएल अंक तालिका में टॉप स्थान पर है। केकेआर ने लगातार 4 मैच जीते हैं इस मैच में जीत से श्रेयस अय्यर ब्रिगेड को टॉप पर बने रहने में मदद मिलेगी। गुजरात और कोलकाता ने अब तक एक–दूसरे के खिलाफ 3 आईपीएल मैच खेले हैं। इसमें से गुजरात टाइटंस ने 2 मैच जीते हैं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने 1 मैच जीता है। केकेआर के खिलाफ गुजरात का अब तक का उच्चतम स्कोर 204 रन है। ळज के खिलाफ केकेआर का उच्चतम स्कोर 207 रन है। आखिरी बार ये टीमें अप्रैल 2023 में एक–दूसरे के खिलाफ खेली थीं। उस मैच में गुजरात के जोशुआ लिटिल ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए थे। वह प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। गुजरात टाइटंस ने वह मैच 7 विकेट से जीता था। पिच रिपोर्ट अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को समान अवसर प्रदान करती है। इस स्थान पर खेला गया आखिरी आईपीएल मैच एक उच्च स्कोरिंग मुकाबला था। उस मैच में गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 231 का स्कोर किया था। उसके दोनों सलामी बल्लेबाजों शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने शतक लगाए थे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 196 रन का स्कोर कर पाई थी। बारिश की संभावना मौसम विभाग के अनुसार, अहमदाबाद में 13 मई को तापमान 30 डिग्री के आसपास रहेगा, लेकिन आर्द्रता का स्तर ज्यादा होने के कारण गर्मी का अहसास भी ज्यादा रहेगा। हालांकि, बारिश की संभावना 56 प्रतिशत तक है।

डीसी की हार के बाद सौरव गांगुली ने विराट कोहली दिया ऐसा सम्मान, जीता करोड़ों फैंस का दिल

विराट कोहली और सौरव गांगुली का एक बार फिर आमना सामना हुआ। फिर गांगुली ने कैप उतारकर विराट कोहली को सम्मान दिया। वहीं कोहली पहले ही अपनी कैप उतारकर दिल्ली के खिलाड़ियों से हाथ मिला रहे थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। आईपीएल के पिछले सीजन में आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत हुई थी तो उस दौरान सौरव गांगुली और विराट कोहली के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा था। पहले मैच में जहां विकाट कोहली डगआउट में सौरव गांगुली को घूरते नजर आए वहीं दूसरे मैच में दोनों ने आपस में हाथ नहीं मिलाया। क्रिकेट जगत

में इस घटना ने सबको चकित किया और काफी चर्चा भी हुई। लेकिन इस साल फैंस को इसके विपरीत नजारा देखने को मिला। सौरव गांगुली ने आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले के बाद कोहली को जो सम्मान दिया उसने कई फैंस का दिल जीत लिया। रविरा 12 मई की रात बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी की भिड़ंत दिल्ली कैपिटल्स से हुई। जिसे आरसीबी ने 47 रनों से जीत लिया। इस मैच के बाद जब सभी खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ आपस में हाथ मिला रहे थे तब विराट कोहली और सौरव गांगुली का एक बार फिर आमना सामना हुआ। फिर गांगुली ने कैप उतारकर विराट कोहली को सम्मान दिया। वहीं कोहली पहले ही अपनी कैप उतारकर दिल्ली के खिलाड़ियों से हाथ मिला रहे थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 47 रनों की इस जीत के बाद आरसीबी की प्लेऑफ की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। दरअसल, अब आरसीबी का अगला मैच सीएसके के खिलाफ है। अगर बेंगलुरु इस मैच को 18 रन से या फिर 11 गेंदें शेष रहते जीत लेती है तो उनका नेट रन रेट चेन्नई से बेहतर हो जाएगा। इस स्थिति में उनके पास प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका होगा। हालांकि, उनको प्लेऑफ का टिकट मिलना

दीसी के खिलाफ जीत के बाद आरसीबी खिलाड़ियों ने ड्रेसिंग रूम में मनाया जश्न

आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2024 62वें मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के बाद आरसीबी के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ ने अपने ड्रेसिंग रुम में जमकर मस्ती करते हुए जश्न मनाया। रविवार को आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2024 62वें मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के बाद आरसीबी के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ ने अपने ड्रेसिंग रुम में जमकर मस्ती करते हुए जश्न मनाया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के साथ आरसीबी लगातार पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। उनके पास अभी भी आईपीएल 2024 के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का मौका है। अब आरसीबी क्वालीफाई करने के लिए दूसरे टीमों पर भी निर्भर करेगी। दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबले के बारे में बात करें तो इस मैच में दिल्ली की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था।

आखिरी मैच जीतकर बांग्लादेश को क्लीनस्वीप करने से रोका

ढाका। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद 6 विकेट पर 157 रन बनाए। जिंबॉब्वे ने 18.3 ओवर में 2 विकेट पर 158 रन बनाकर जीत हासिल की। बांग्लादेश ने इस तरह से यह श्रृंखला 4–1 से अपने नाम की। जिंबॉब्वे की पारी का आकर्षण कप्तान रजा और बेनेट के अर्धशतक रहे कप्तान सिकंदर रजा और ब्रायन बेनेट की शानदार पारियों की मदद से जिंबॉब्वे ने रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज करके बांग्लादेश को पांच मैच की श्रृंखला में क्लीनस्वीप नहीं करने दिया। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद 6 विकेट पर 157 रन बनाए। जिंबॉब्वे ने 18.3 ओवर में 2 विकेट पर 158 रन बनाकर जीत हासिल की। बांग्लादेश ने इस तरह से यह श्रृंखला 4–1 से अपने नाम की। जिंबॉब्वे की पारी का आकर्षण कप्तान रजा और बेनेट के अर्धशतक रहे। रजा ने 46 गेंद पर नाबाद 72 रन बनाए जिसमें 6 चौके और चार छक्के शामिल हैं। बेनेट ने 49 गेंद पर पांच चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 70 रन बनाए। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी की जिससे जिंबॉब्वे नौ गेंद शेष रहते ही जीत हासिल करने में सफल रहा। इससे पहले बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 15 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे।

महमुदुल्लाह (44 गेंद पर 54 रन) और कप्तान नजमुल हसन शंटो (36) की पारियों से टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। बेनेट ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 20 रन देकर दो विकेट लिए।

केकेआर ने मुंबई इंडियंस को 18 रन से दी मात, प्लेआफ में पहुंचने वाली पहले टीम बनी कोलकाता नाइट राइडर्स

कोलकाता केकेआर आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। वेंकटेश अय्यर (42) और नीतीश राणा (33) की शानदार बल्लेबाजी के बाद आंद्रे रसल के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत केकेआर ने शनिवार को मुंबई इंडियंस को 18 रन से शिकस्त दे डाली। बारिश से भीगे ईडन गार्डन्स पर मैच करीब डेढ घंटे देरी से शुरू हुआ। कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। वेंकटेश अय्यर (42) और नीतीश राणा (33) की ंइंडियंस को 18 रन से शिकस्त दे डाली। बारिश से भीगे ईडन गार्डन्स पर मैच करीब डेढ घंटे देरी से शुरू हुआ। मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता ने निर्धारित 16 ओवरों में 157 रन बनाए।

पाकिस्तान ने पहले मैच की हार का लिया बदला, दूसरे टी 20 में आयरलैंड को सात विकेट से हराया

रविवार को टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे आयरलैंड ने तीन ओवर में 29 रन जोड़कर तेज शुरुआती की। तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने हालांकि चौथे ओवर में दोनों सलामी बल्लेबाजों पॉल स्टर्लिंग और एंड्रयू बॉलबिर्नी को पवेलियन भेज दिया। लोर्कान टकर और हैरी टेक्टर (32) ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़कर पारी को संभाला। डबलिन। पाकिस्तान ने पहले टी20 की हार का बदला चुकता करते हुए दूसरे मैच में आयरलैंड को सात विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1–1 से बराबर कर दी। शुक्रवार को आयरलैंड ने पहले टी20 में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया था। यह आयरलैंड की टी20 प्रारूप में पाकिस्तान पर पहली जीत थी। रविवार को टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे आयरलैंड ने तीन ओवर में 29 रन जोड़कर तेज शुरुआती की। तेज गेंदबाज

शाहीन अफरीदी ने हालांकि चौथे ओवर में दोनों सलामी बल्लेबाजों पॉल स्टर्लिंग और एंड्रयू बॉलबिर्नी को पवेलियन भेज दिया। लोर्कान टकर और हैरी टेक्टर (32) ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़कर पारी को संभाला। टकर ने 34 गेंद में 51 रन बनाए। कर्टिस कैंफर (22) और जॉर्ज डॉकरेल (15) ने उपयोगी पारियां खेली जबकि गैरेथ डेलानी ने 10 गेंद में नाबाद 28 रन बनाकर टीम का स्कोर सात विकेट पर 193 रन तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। सैम अयूब पहले ही ओर में पवेलियन लौट गए जबकि कप्तान बाबर आजम दूसरे ओवर में खाता खोले बिना ग्राहम ह्यूम का शिकार बने। मोहम्मद रिजवान (46 गेंद में नाबाद 75) और फखर जमां (40 गेंद में 78 रन) ने हालांकि तीसरे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी करके आयरलैंड की जीत की उम्मीदों पर पारी फेर दिया। आजम खान ने इसके बाद 10 गेंद में नाबाद 30 रन की पारी खेलकरपाकिस्तान को 19 गेंद शेष रहते लक्ष्य तक पहुंचाया। तीसरा टी20 मंगलवार को खेला जाएगा।

वेट लास करने के हिसाब से हर रोज कितना पानी पीना चाहिए ? जानिए क्या कहते हैं हेल्थ एक्सपर्ट

पानी शरीर के लिए बेहद जरूरी तत्व है. पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर हाइड्रेटेड रहता है. सिर्फ इतना ही नहीं अगर आप भरपूर मात्रा में पानी पीते हैं तो कई सारी बीमारियों का खतरा भी कम होता है. पानी हमारे शरीर से गंदगी निकलाने का भी काम करती है. आपका शरीर एक्टिव रहेगा और आप पूरे दिन एनर्जेटिक महसूस करते हैं.पानी पीने से वेट लॉस करने में मदद मिलती है. यह तेजी से कैलोरी बर्न भी करती है. लेकिन क्या आप जानते हैं वेट लॉस करने के लिए कितना पानी पीना है जरूरी है? आज हम इस आर्टिकल में विस्तार से जानेंगे कि वजन कम करने के दौरान किस तरीके से पानी पीना है जरूरी.वेट लॉस के लिए पानी पीना क्यों फायदेमंद है?

पानी पीने से शरीर की गंदगी निकलती है. जिससे बीमारियों का खतरा भी कम होता है. सवाल यह उठता है कि वेट लॉस के लिए कितना पानी पीना है जरूरी. हर इंसान के जरूरत पर निर्भर करता है कि उन्हें कितना पानी पीना चाहिए. शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने के लिए पानी पीना बेहद जरूरी है.

वेट लॉस के लिए पानी कैसे पीना चाहिए

हल्का गर्म पानी पिएं

अगर आप वजन कम करने की सोच रहे हैं तो ठंडा पानी नहीं बल्कि खाली पेट गुनगुना पानी जरूर पिएं. इससे पेट की गर्मी शांत होती है साथ वजन घटाने में भी आसानी होती है. इसकी जगह आप सादा या हल्का पानी पी सकते हैं. गुनगुना पानी पीने से कैलोरी बर्न होती है.

एक साथ बहुत सारा नहीं बल्कि थोड़ा–थोड़ा पानी पिएं

आयुर्वेद के मुताबिक एक बारे में ढेर सारा पानी नहीं पीना चाहिए. ऐसे पीने से बॉडी की हाइड्रेशन मेंटेन रहती है. साथ ही पाचन तंत्र

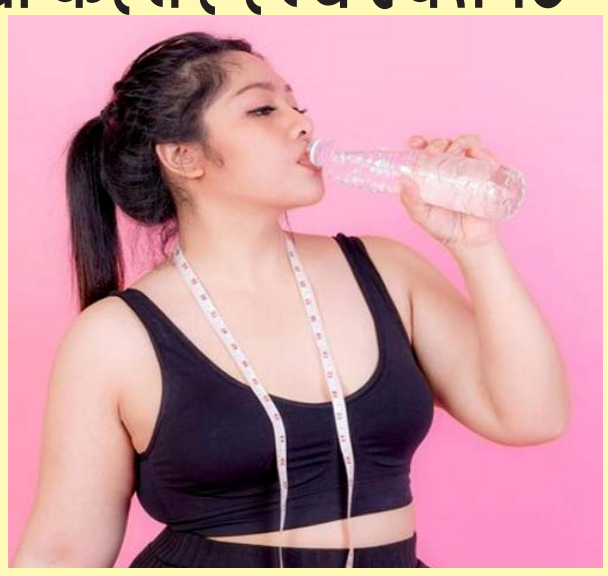

भी अच्छा रहता है. इसलिए एक बार में कई गिलास पानी कभी भी नहीं पीना चाहिए. ढेर सारा पानी पीने के बजाय थोड़ा–थोड़ा पानी पीना चाहिए.

खाने से पहले पानी पिएं

खाना खाने से पहले ढेर सारा पानी पीना चाहिए. इससे आप ज्यादा कैलोरी इनटेक नहीं कर पाते हैं. और पाचन क्रिया भी तेज होती है. सिर्फ इतना ही नहीं कब्ज का खतरा भी कम रहता है. भूख कंट्रोल में रहती है और आप ओवरईटिंग करने से बचते हैं. आयुर्वेद के मुताबिक अगर आप खाना खाने से पहले पानी पी रहे हैं तो खाने से 30 मिनट पहले पानी पिएं.

लाल केला खाना होता है स्वास्थ्य के लिए लाभदायक, जानिए कैसे है पीले केले से अलग

बाजार में साधारण पीले केले के अलावा लाल रंग का केला भी मिलता है। लाल केले के छिलके का रंग गाढ़ा लाल और बैंगनी होता है और यह दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाता है।इसकी मिठास पीले केले जैसी ही होता है, लेकिन इसमें हल्का रैस्पबेरी जैसा स्वाद भी होता है। इसमें केरोटीन और विटामिन सी होता है, जो कोशिकाओं के स्वास्थ्य को सुधारता है।लाल केले को डाइट में जोडने से आपको ये 5 लाभ मिलेंगे।रिपोर्ट के अनुसार, 100 ग्राम पके लाल केले में फाइबर की मात्रा 2 ग्राम होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि लाल केले में अघुलनशील फाइबर की मौजूदगी पाचन में सहायता करती है।इस फल को खान–पान का हिस्सा बनाने से कब्ज की परेशानी को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा लाल केले एक प्रीबायोटिक होते हैं, जिनमें फ्रुक्टो–ऑलिगोसेकेराइड होता है।यह आंत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

लाल केला पोटैशियम का अच्छा स्रोत माना जाता है, जो हृदय के कामकाज में मदद करता है। इस फल में इलेक्ट्रोलाइट्स और पोटाशियम होता है, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधारने में एक अहम भूमिका निभाता है।पोटेशियम की कमी (हाइपोकैलिमिया) उच्च रक्तचाप और हृदय की मांसपेशियों की कमजोरी का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते है कि लाल केले को आहार में शामिल करने से पोटेशियम की दैनिक आवश्यकता का औसतन 15 प्रतिशत मिलता है।

100 ग्राम लाल केले में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा 25 ग्राम होती है। वैसे तो इसका ब्लड शुगर के प्रबंधन से सीधा संबंध नहीं है, लेकिन मधुमेह रोगी इसका सेवन कर सकते है। इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) और आहार फाइबर कम होता है। जीआई यह मापने के लिए उपयोग किया जाता है कि खाद्य पदार्थ ब्लड शुगर के स्तर को कितनी तेजी से बढ़ाते हैं। इस पैमाने पर लाल केले का अंक लगभग 45 है, जो बेहद कम माना जाता है।

एक शोध के अनुसार, लाल केले में मौजूद बीटा–कैरोटीन विटामिन ए का भाग है। यह हमारी आखों की रोशनी को सुधारने में मदद कर सकता है।लाल केले बीटा–कैरोटीन के साथ–साथ ल्यूटिन का अच्छा स्रोत होते हैं, इसलिए ये दृष्टि को सुधार सकते हैं। ये विशेष रूप से उम्र से संबंधित मैकुलर अपघटन को रोकने में मदद करते हैं, जो आखों को खराब करने वाला एक नेत्र रोग है। लाल और पीले दोनों केले ही सेहत के लिए फायदेमंद हैं, लेकिन दोनों में से एक में अधिक पोषण मौजूद होता है।लाल केले में 1.29 ग्राम प्रोटीन, 0.29 ग्राम वसा, 1.98 ग्राम फाइबर, 6.74 ग्राम विटामिन– सी और 25.2 ग्राम कार्बोहाइड्रेट होता है। वहीं, पीले केले में 1.23 ग्राम प्रोटीन, 0.33 ग्राम वसा, 1.94 ग्राम फाइबर, 4.74 ग्राम विटामिन– सी और 23.63 ग्राम कार्बोहाइड्रेट होता है।

फिल्म भैया जी का ट्रेलर हुआ रिलीज, मनोज बाजपेयी बने देसी एक्शन स्टार

मनोज बाजपेयी पिछली बार फिल्म साइलेंस 2 में दिखे थे। इस फिल्म में उनके साथ प्राची देसाई नजर आई थीं। साइलेंस 2 को भले ही कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली, लेकिन मनोज ने हमेशा की तरह फिल्म में महफिल जरूर लूटी।पिछले कुछ दिनों से वह फिल्म भैया जी को लेकर चर्चा में हैं, जिसके पोस्टर और टीजर सामने आने के बाद इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।अब फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मनोज का लुक और किरदार दोनों ही दमदार है, जो फिल्म देखने पर मजबूर कर देगा। उनका ऐसा गुस्से वाला अवतार पहली बार देखने को मिला है। देसी एक्शन करते हुए मनोज खूब जंच रहे हैं, वहीं किरदार कुछ ऐसा है, जिसके आतंक से हर कोई खौफ खाता है।मनोज उर्फ भैया जी का खौफ ऐसा है कि हर कोई इधर–उधर भागने लगता है। इलाके में न सिर्फ उनका रसूख, बल्कि तांडव भी है। भैया जी के निर्माता विनोद भोनुशाली और समीक्षा शैला ओसवाल हैं। इस फिल्म को अपूर्व सिंह कार्की ने निर्देशित किया है। वह इससे पहले मनोज की फिल्?म सिर्फ एक बंदा काफी है का निर्देशन भी कर चुके हैं।बंदा को ओटीटी पर दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इसकी बढ़ती लोकप्रियता देख इसे फिर सिनेमाघरों में भी रिलीज किया गया था। एक तरफ जहां मनोज के अभिनय की फिल्म में जमकर

तारीफ हुई, वहीं अपूर्व का निर्देशन भी काबिल–ए–तारीफ था। भैया जी मनोज के लिए खास है, क्योंकि 30 साल के करियर में यह उनकी 100वीं फिल्?म है। यह फिल्?म 24 मई, 2024 को सिनेमाघरों में आएगी।इस पर मनोज कहते हैं, मुझे एक ऐसा किरदार निभाना था, जिसे दर्शक आसानी से ना भूलें। खासकर तब, जब भैया जी इंडस्ट्री में मेरी 100वीं फिल्म है और मुझे खुशी है कि मुझे अपनी बंदा टीम के साथ ऐसा करने का मौका मिला। दर्शक फिल्म के हर सेकेंड का आनंद लेंगे।

मनोज जल्द ही कनु बहल के निर्देशन में बनी फिल्म डिस्पैच में भी मुख्य भूमिका निभाएंगे। इसमें वह एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो खुद को व्यापार और अपराध की दुनिया की दलदल में फंसा हुआ पाता है।फिल्म में मनोज के साथ अभिनेत्री शहाना गोस्वामी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म अपराध पत्रकारिता की दुनिया पर आधारित है।उधर बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित हो चुकी उनकी फिल्म द फेबल भी रिलीज होने वाली है।

बाहुबली स्टार प्रभास ने बहुप्रतीक्षित फिल्म कन्नप्पा की शूटिंग की शुरू, फिल्म का पहला पोस्टर आया सामने

फिल्म निर्माता और साउथ अभिनेता विष्णु मांचू अपनी महत्वकांक्षी परियोजना कन्नप्पा फिल्म को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कन्नप्पा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं। कुछ दिन पहले, निर्माताओं ने खुलासा किया कि बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। वहीं अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है, जो फिल्म के कलाकार प्रभास को लेकर है। यूं तो प्रभास के किरदार पर कई अपडेट आ चुके हैं, लेकिन अब उनकी शूटिंग के बारे में नया अपडेट सामने आया है। फिल्म में अक्षय कुमार अपने हिस्सा के दृश्य शूट कर चुके हैं और अब बारी है प्रभास की। प्रभास अपनी आगामी फिल्म कल्कि 2898 एडी को लेकर व्यस्त हैं। अब उन्होंने अपनी दूसरी फिल्म के लिए समय निकाला और कन्नप्पा के शूटिंग सेट पर पहुंच चुके हैं। जी हां, प्रभास अब कन्नप्पा की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। इसकी घोषणा खुद विष्णु मांचू ने की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रभास के लुक को लेकर भी फैंस के साथ बड़ी जानकारी साझा की।

विष्णु ने अब अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर घोषणा की है कि पैन इंडिया स्टार प्रभास इस पौराणिक फैंटसी ड्रामा की शूटिंग में शामिल हो गए हैं। प्रभास के पैरों को प्रदर्शित करने वाले एक प्री–लुक पोस्टर का अनावरण किया गया। प्रभास के लुक की छोटी सी झलक दी गई है, जिसमें उनके पैरों की झलक है। यह प्रभास के सभी प्रशंसकों के लिए बहुत अच्छी खबर है। हालांकि, प्रभास की भूमिका के बारे में जानकारी गुप्त रखी गई है।इससे पहले विष्णु ने बताया था कि अक्षय ने शूटिंग पूरी कर ली है। साथ ही उन्होंने अक्षय के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव भी साझा किया था और अक्षय के साथ अपनी तस्वीरें भी साझा की थीं। वहीं प्रभास के किरदार को लेकर खबर है कि वे फिल्म में कैमियो रोल निभाएंगे। प्रभास फिल्म में

नंदी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। पहले उनके भगवान शिव की भूमिका निभाने की चर्चा थी, लेकिन वे पहले से ही कल्कि 2898 एडी में इस किरदार को निभा रहे हैं तो ऐसे में वे किसी भी तरह का दोहराव नहीं चाहते हैं। कहा जा रहा है कि अक्षय कुमार फिल्म में भगवान शिव की भूमिका निभा रहे हैं और अफवाह है कि अनुष्का पार्वती की भूमिका निभाएंगी। कन्नप्पा में प्रभास, मोहनलाल, शिवराज कुमार, नयनतारा, कृति सेनन, तमन्ना भाटिया, काजल अग्रवाल, आर सरथकुमार, ब्रह्मानंदम अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने किया है। इस फिल्म का निर्माण 24 फ्रेम्स फैक्ट्री कर रही है। कृति को भी फिल्म में दमदार भूमिका मिली है।

राजकुमार राव स्टारर श्रीकांत की बाक्स आफिस पर ठीक–ठाक शुरुआत, पहले दिन करोड़ो में किया कलेक्शन

कोई शक नहीं कि राजकुमार राव एक बेहतरीन अभिनेता हैं और अपने उम्दा अभिनय का सबूत वह कई बार दे चुके हैं। पिछले कई दिनों से राजकुमार फिल्म श्रीकांत को लेकर सुर्खियों में हैं।बीते दिन यानी 10 मार्च को उनकी इस फिल्म ने सिनेमाघरों का रुख किया है। ज्यादातर समीक्षकों ने फिल्म की तारीफ की है, वहीं अभिनय के मोर्चे पर राजकुमार भी खरे उतरे हैं। फिल्म के पहले दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, श्रीकांत ने अपनी रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 2.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म ने ठीक–ठाक शुरुआत की है। यह इस फिल्म के लिए असरदार शुरुआत मानी जा और वीकेंड में फिल्म के बढिया कारोबार करने की उम्मीद की जा रही है।हाल–फिलहाल में आईं दो और दो प्यार, लव सेक्स और धोखा 2 और रुसलान, इन सभी फिल्मों की कमाई पहले दिन लाखों में सिमटकर रह गई थी।कहानी की बात करें तो आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में एक अभावग्रस्त घर में एक बच्चे का जन्म होता है।खेती करने वाला उसका पिता उसे क्रिकेटर श्रीकांत बनाना चाहता है, लेकिन उसकी खुशियों पर बिजली तब गिर जाती है, जब उसे पता चलता है कि बच्चा दृष्टिहीन है।पिता अंधे बच्चे को भविष्य की दुश्वारियों से बचाने के लिए जिंदा गाडना चाहता है, लेकिन गाड़ नहीं पाता। बस यहीं से उस बच्चे के अस्तित्व की जंग शुरू होती हैश्रीकांत में अलाया एफ, ज्योतिका और शरद केलकर अहम भूमिका में हैं। इसका निर्देशन तुषार हीरानंदानी ने किया है, वहीं भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और निधि परमार इसके निर्माता हैं।उधर राजकुमार ने फिल्म में दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला का किरदार निभाया है। इस किरदार में किसी और की कल्पना की ही नहीं जा सकती। वह तमाम दृश्यों में चमकते हैं। उन्हें देख लगता नहीं है कि वो राजकुमार हैं। सोशल मीडिया पर भी वह खूब वाहवाही लूट रहे हैं।राजकुमार जल्द ही फिल्म मिस्टर एंड

मिसेज माही में नजर आएंगे। इसमें उनकी जोड़ी जाह्नवी कपूर के के साथ बनी है। उनकी यह फिल्म 31 मई को रिलीज होने वाली है।इसके अलावा वह श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म स्त्री 2 में मुख्य भूमिका निभाएंगे।फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो भी उनके खाते से जुड़ी है, जिसमें अभिनेत्री तृप्ति डिमरी उनकी जाड़ीदार बनी हैं। ड्रीम गर्ल 2 के निर्देशक राज शांडिल्य इसका निर्देशन कर रहे हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में की रिलीज डेट आई सामने, फरदीन खान के साथ कामेडी करते दिखेंगे एक्टर

बड़े मियां छोटे मियां फ्लॉप होने के बीच अक्षय कुमार की नई कॉमेडी फिल्म खेल–खेल में की रिलीज डेट का एलान हो गया है। लगातार फ्लॉप देने के बाद भी खिलाड़ी कुमार की झोली में कई फिल्में हैं। अभिनेता अब अपनी आगामी फिल्म खेल–खेल में को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। अक्षय कुमार इस फिल्म से एक बार फिर अपनी कॉमिक जोन में एंट्री करने जा रहे हैं। इस बार स्क्रीन पर उनका साथ अभिनेता फरदीन खान देने वाले हैं।

खेल–खेल में अक्षय अपने पुराने कॉमिक जोनर में नजर आने वाले हैं। ऐसे में उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों को एक बार फिर खिलाड़ी कुमार से कनेक्ट कर पाएगी। वहीं, बीते दिन भूल भुलैया के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने भी अक्षय कुमार के साथ एक हॉरर फैंटेसी फिल्म पर मुहर लगाई है। बता दें कि अक्षय की

यह कॉमिक फिल्म 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म मेकर्स टी–सीरीज ने अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, फरदीन खान, वाणी कपूर, पंजाबी एक्टर और सिंग एमी वर्क और प्रज्ञा जायसवाल स्टारर इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म की स्टार कास्ट संग एक तस्वीर शेयर कर फिल्म की रिलीज डेट पर मुहर लगा दी है। फल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस में उत्साह देखा जा रहा है। एक यूजर ने लिखा, अक्षय के डूबते करियर को अब आप ही सहारा दे सकते हैं फरदीन। दूसरे यूजर ने लिखा, फरदीन एक के बाद एक अब स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। एक और यूजर ने लिखा, खिलाड़ी कुमार को फिर से पुराने अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

आपके किचन की भी टाइल्स पड़ रही है काली, तो इन चीजों का जरूर करें इस्तेमाल, चमकेगा हर एक कोना

खाना बनाते वक्त अधिकतर किचन की टाइल्स गंदी हो जाती है. ऐसे में लाख कोशिश के बाद भी चिपचिपा पन हटता नहीं है. इससे छुटकारा पाने के लिए इन उपाय को जरूर करें.खाना बनाते वक्त किचन की टाइल्स चिपचिपी होने लगती है. इसे साफ करने के लिए आप कुछ टिप्स को फॉलो कर सकते हैं.किचन में खाना बनाते वक्त तेल, घी और मसालों की वजह से टाइल्स चिपचिपी हो जाती है. चिपचिपी टाइल्स को साफ करने के लिए लोग कई प्रयास करते हैं, लेकिन फिर भी टाइल्स साफ नहीं हो पाती है.आप भी इन टाइल्स को साफ करने के उपाय खोज रहे हैं, तो ये खबर आपके लिए है.किचन की टाइल्स को साफ करने के लिए आप बेकिंग सोडा, नमक और विनेगर तीनों को मिलाकर, इसे टाइल्स पर डाल स्क्रबर से साफ करें. किचन की टाइल्स को साफ करने के लिए शैंपू एक अच्छा ऑप्शन है. आप इसमें नींबू भी मिला सकते हैं.ध्यान रहे आपके किचन की टाइल्स को एक हफ्ते में दो से तीन बार धोना है, ताकि यह ज्यादा गंदी ना हो.

मिस्टर एंड मिसेज माही का ट्रेलर रिलीज, खूब जमी जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी

मई के महीने में आने वाली फिल्मों में मिस्टर एंड मिसेज माही भी शामिल है। लंबे समय से यह फिल्म चर्चा में बनी हुई है।इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म से कलाकारों की पहली झलक सामने आने के बाद इसकी रिलीज को लेकर उत्सकुता और बढ़ गई।फिल्म में जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी नजर आने वाली है और अब इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है।

राजकुमार के किरदार का नाम महेंद्र तो जाह्नवी, माही की भूमिका में हैं। स्पोर्ट्स बैकग्राउंड के साथ ट्रेलर में पारिवारिक ड्रामा भी देखने को मिल रहा है।राजकुमार के साथ जाह्नवी की केमिस्ट्री भी देखने में बढिया लग रही है।मिस्टर एंड मिसेज माही की कहानी महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित है। इससे पहले धोनी पर एम.एस धोनी– द अन्टोल्ड स्टोरी नाम की फिल्म बनी थी, जिसमें दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे।

मिस्टर एंड मिसेज माही का निर्देशन शरण शर्मा ने किया है। करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं। गुंजन सक्सेना के बाद यह शरण और जाह्नवी के बीच दूसरा सहयोग है, जबकि राजकुमार और शरण पहली बार साथ आए हैं।इस फिल्म की कहानी मिस्टर और मिसेज माही के इर्द–गिर्द घूमती है, जिनके लिए जिंदगी क्रिकेट और क्रिकेट जिंदगी है। क्रिकेट से बढकर मिस्टर माही सिर्फ अपनी प्यारी बीवी से प्यार करते हैं।फिल्म 31 मई को सिनेमाघरों में आएगी।

बता दें कि राजकुमार और जाह्नवी की यह साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों को निर्माता दिनेश विजान की फिल्म रूही में देखा गया था।हालांकि, यह हॉरर कॉमेडी फिल्म दर्शकों के बीच अपना जादू चलाने में नाकाम रही थी। जाह्नवी दूसरी बार राजकुमार के साथ काम कर बेहद खुश हैं। वह कई बार उनके प्रति अपनी दीवानगी जाहिर कर चुकी हैं।जाह्नवी शुरुआत से ही राजकुमार के काम की प्रशंसक रही हैं।

देवरा जाह्नवी की पहली दक्षिण भारतीय फिल्म है। इसके अलावा वह फिल्म उलझ में नजर आएंगी। आरआरआर स्टार राम चरण की अगली फिल्म की हीरोइन भी जाह्नवी ही हैं। करण जौहर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी जाह्नवी के पास है।दूसरी ओर राजकुमार जल्द ही फिल्म स्त्री 2 में मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो भी उनके खाते से जुड़ी है, जिसमें अभिनेत्री तृप्ति डिमरी उनकी जाड़ीदार बनी हैं।

बाक्स आफिस पर बड़े मियां छोटे मियां और मैदान का हुआ डब्बा गोल

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं, लेकिन कमाई के मामले में लगभग सभी का हाल बराबर है। बड़े मियां छोटे मियां और मैदान सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। मगर इन फिल्मों का भी डब्बा गोल हो चुका है। दोनों फिल्में रेंग रेंग के आगे बढ़ रही हैं।बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एक्शन फिल्म बड़े मियां छोटे मियां दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने में फेल साबित हुई हैं। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी ये फिल्म 350 करोड़ रुपये के बजट में बनकर तैयार हुई। मगर ये फिल्म अभी तक 100 करोड़ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है। ताजा

आंकड़ों के मुताबिक, 30वें दिन फिल्म ने महज एक लाख रुपये की कमाई की है। इसी के साथ फिल्म की कुल कमाई 64.71 करोड़ रुपये हो गई है।अभिनेता अजय देवगन की फिल्म मैदान रिलीज के करीब एक महीने बाद 50 करोड़ कमा पाई है। मैदान शुरुआत से ही रेंग रेंग कर कमाई कर रही है। अजय देवगन जैसे बड़े सुपरस्टार का स्टारडम भी फिल्म को डूबने से बचा नहीं पाया है।

मां के साथ अपने रिश्ते पर बोलीं एक्ट्रेस नकियाह हाजी, वह मेरी ताकत है

अपनी मां के साथ स्पेशल बॉन्ड पर बात करते हुए एक्ट्रेस नकियाह हाजी ने कहा कि वह अपनी जिंदगी में सबसे ज्यादा भरोसा उन पर करती हैं और उनके लिए वह एक चट्टान की तरह हैं।शो शैतानी रस्में में निक्की की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस ने कहा, मां का जिक्र ही मुझे खुशी से भर देता है। मेरी मां के साथ मेरा रिश्ता अटूट है। अपनी जिंदगी में मैं हर चीज के बारे में उन पर भरोसा करती हूं। वह सिर्फ मेरी मां नहीं है, वह मेरी ताकत।

नकियाह हाजी ने कहा, मेरे लिए वह किसी सुपरहीरो से कम नहीं है। मैं सचमुच मानती हूं कि सभी माओं में यह असाधारण शक्ति होती है, वह हमारे बताने से पहले ही जान जाती है। वे हमें बहुमूल्य सीख देती हैं। हमें आदर्श इंसान बनाती हैं।मदर्स डे से पहले शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, हम अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली हैं कि हमारी जिंदगी में ऐसी अविश्वसनीय महिलाएं हैं, जो हर कदम पर हमारा मार्गदर्शन और समर्थन करती हैं। यहां मौजूद सभी माओं के लिए, आप सभी अपने आप में सुपरहीरो हैं, और मैं आप में से प्रत्येक को मदर्स डे की बहुत–बहुत शुभकामनाएं देती हूं। यह शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

विक्की–सारा की जरा हटके जरा बचके ओटीटी प्लेटफार्म जियो सिनेमा पर 17 मई को होगी स्ट्रीम

जरा हटके जरा बचके 2023 की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है. विक्की कौशल और सारा अली खान स्टारर इस रोमांटिक कॉमेडी को दर्शकों ने खूब सराहा. अब, लगभग एक साल के इंतजार के बाद, फिल्म ओटीटी पर अपना प्रीमियर करने के लिए पूरी तरह तैयार है. आइए जानते हैं फिल्म कब और किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी.जरा हटके जरा बचके फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. वहीं जिन्होंने यह फिल्म थिएटर में जाकर नहीं देखी उनके लिए यह एक तोहफा है. जी हां जरा हटके जरा बचके अपनी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है. स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा ने फिल्म जरा हटके जरा बचके की मोस्ट अवेटेड डिजिटल रिलीज की घोषणा की. फिल्म से एक जबरदस्त ट्रेलर रिलीज करते हुए फिल्म की ओटीटी रिलीज का अनाउंसमेंट किया गया. इस फिल्म में विक्की कौशल और सारा अली ने लीड रोल प्ले किया है.फिल्म की ओटीटी रिलीज का अनाउंसमेंट एक खास ट्रेलर के साथ किया गया. जियो सिनेमा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज करते हुए कैप्शन लिखा, सह–परिवार शादी की थी, अब सह–परिवार

नेहा मलिक ने एनिमल प्रिंटेड बिकनी पहन स्विमिंग पूल में लगाई आग

भोजपुरी अदाकारा नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी मशहूर हैं. आए दिन एक्ट्रेस अपने सिजलिंग अवतार से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से हॉट तस्वीरें शेयर की हैं जिसे देखने के बाद आपके होश उडने वाले हैं. नेहा मलिक ने एनिमल प्रिंटेड बिकनी पहनी है. लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है और कैमरे के स्विमिंग पूल के किनारे सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं. एक्ट्रेस की हॉटनेस ने फैंस को दीवाना बना दिया है साथ ही एक्ट्रेस के किलर पोज देख फैंस का हाल बेहाल हो गया है. भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक अक्सर अपने लुक के वजह से सोशल मीडिया पर छाई रहती है. नेहा की गिनती भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट और बोल्ड एक्ट्रेस में होती है. अपनी तस्वीरों के वजह से एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर लाइमलाइट लूट लेती हैं.

चिकित्सक और नेता दोनो का कार्य जनसेवा – मंगलेश श्रीवास्तव

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। शहर के एक मैरेज हाल में भारतीय जनता पार्टी के चिकित्सा प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई जिसके मुख्य अतिथि गोरखपुर महानगर के महापौर मंगलेश श्रीवास्तव थे । बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि चिकित्सक और नेता दोनो का कार्य जनसेवा करना है चाहे वो राजनीति का क्षेत्र हो या चिकित्सा स्वास्थ्य का क्षेत्र हो दोनो का कार्य लगभग एक ही है । चिकित्सक समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं और उनका भी ये कर्तव्य है कि राष्ट्र निर्माण के लिए लोकतंत्र में अपनी मजबूत भूमिका सुनिश्चित करें क्योंकि ये चुनाव सबका है और एक सभ्य समाज के निर्माण के लिए चिकित्सकों को भी आगे आना चाहिए । बैठक के मुख्य वक्ता चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डा अभय मणि त्रिपाठी ने कहा कि सकारात्मक विचारधारा की सोच वाले राजनीतिक दल या व्यक्ति का समर्थन राष्ट्रहित में लाभकारी होता है राष्ट्रहित के कार्यों में हर समाज की भूमिका तय होनी चाहिए । भाजपा प्रत्याशी शशांक मणि ने सभी के प्रति आभार जताया और चिकित्सकों के समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष व आरोग्य भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ अजीत नारायण मिश्र और भाजपा के अजीत तिवारी ने संयुक्त रूप से किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉक्टर जेएन पांडेय द्वारा किया गया स कार्यक्रम को चिकित्सा प्रकोष्ठ जनपद देवरिया के सहसंयोजक डॉक्टर डीके पांडे ने भी संबोधित किया । इस अवसर पर भाजपा के लोकसभा संयोजक चंद्र प्रकाश सिंह, सह संयोजक अखिलेश त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष भाजपा राजेश मिश्रा, डॉ रामप्रवेश, डॉ जनार्दन मणि त्रिपाठी, डॉ अशोक कुमार राय, डॉ विपिन बिहारी शुक्ला, डॉ प्रमोद कुमार त्रिपाठी, डॉ उपेंद्र कुमार गिरी, डॉ पवन कुमार त्रिपाठी, डॉक्टर अनिरुद्ध सिंह, डॉ मधुसूदन मिश्र, डॉ निहारिका त्रिपाठी, प्रीति सिंह, विभा पांडे, सीमा जायसवाल आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहेस

निष्ठावान कार्यकर्ता भाजपा की बड़ी पूंजी – सूर्यप्रताप शाही

भाजपा सरकार ने दिया सर्व समाज को सम्मान – शशांक

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। देसही देवरिया के पकड़ी वीरभद्र में कार्यकर्ता बैठक को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि भारतीय संस्कार की झलक हमारे पार्टी के कार्यकर्ताओं में देखने को मिलती है हमारे यही संस्कारित और अनुशासित कार्यकर्ता हमारी पूंजी हैं और इन्ही के बल पर लोकतंत्र के हर उत्सव में चाहे वह लोकसभा का चुनाव हो, विधानसभा का चुनाव हो, नगर निकायों का चुनाव हो, त्रिस्तरीय चुनाव हो या किसी भी तरह का चुनाव हो हमारे कार्यकर्ता निष्ठा और ईमानदारी पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं । 18 करोड़ से ऊपर की संख्या के साथ आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है जो इस बात का प्रमाण है कि देश की जनता का भरोसा पार्टी के कुशल नेतृत्व और राष्ट्रवादी विचारधारा की सोच पर विश्वास है, जनता को ये मालूम है कि हमारा संगठन राष्ट्रहित के मुद्दों तथा सबका साथ और सबका विकास के सोच के साथ सभी के हित की बात करता है । बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी शशांक मणि ने कहा कि जाती पाती से ऊपर उठकर एक समानतावादी समाज का निर्माण करना, जहां सभी सुखी हों, समृद्ध हों तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंच सके ऐसी विचारधारा सिर्फ भाजपा की है । आज भारत की सीमाएं सुरक्षित हैं, देश और प्रदेश में अराजकता का माहौल समाप्त हुआ है तथा सुशाशन का राज कायम हुआ है । आज बेटियां सुरक्षित हैं, महिलाएं भयमुक्त वातावरण में कार्य कर रही हैं, भारत पूरी दुनिया के अंदर बहुत तेजी के साथ आर्थिक रूप से मजबूत हुआ है । लेकिन विपक्ष को सिर्फ महंगाई दिखाई दे रही है वो जनता के बीच भ्रम फैला रहे हैं कि भाजपा जीत गई तो चुनाव समाप्त हो जायेंगे, आरक्षण समाप्त हो जायेगा, बेरोजगारी बढ़ जाएगी, धार्मिक भावनाओं को भड़काकर राजनीति की रोटी सेकना विपक्षियों की मानसिकता है । उन्होंने कार्यकर्ताओं का आवाह्न करते हुए कहा कि आज से 17 दिन चुनाव रह गया है अब हमे अपनी पूरी ताकत के साथ घर घर जाकर पार्टी की उपलब्धियों को बताना है और 1 जून को अपने अपने बूथों पर अधिक से अधिक मतदान कराना है । बैठक का संचालन मंडल अध्यक्ष विजय श्रीवास्तव ने किया । इस अवसर पर विधानसभा संयोजक अवधेश सिंह, नथुनी सिंह कुशवाहा, गंगा सिंह कुशवाहा, सुजीत प्रताप सिंह, अजीत सिंह, प्रमोद सिंह, मुन्ना राय, अनिल श्रीवास्तव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक दिन में गुंडा एक्ट के 712 मामले निपटे, सुप्रीम कोर्ट के वकीलों ने भी लिया बहस में हिस्सा

प्रयागराज(आरएनएस)। गुंडा एक्ट कोर्ट में शनिवार को सुनवाई का रिकॉर्ड बनाया और मैराथन 14 घंटे तक कोर्ट तक कार्रवाई करने के बाद गुंडा एक्ट के 712 मामले समाप्त किया। इस दौरान आर्थिक रूप से कमजोर वादकारियों की पैरवी के लिए सुप्रीम कोर्ट के दो अधिवक्ता पेश हुए। जनहित में उन्होंने निरूशुल्क पैरवी की और इस दौरान एक दिन में कुल 712 वादों का निस्तारण कराया। इस दौरान गुंडा एक्ट कोर्ट में भी रिकॉर्ड 14 घंटे तक सुनवाई हुई। सुबह आठ बजे से शुरू कार्रवाई लगातार रात 10 बजे तक चली।

जनपद में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद गुंडा एक्ट के 3853 लंबित मामले पुलिस आयुक्त न्यायालय में पहुंचे। इनमें 2008 से लेकर 2022 तक यानी 14 साल तक के मामले शामिल हैं। इनमें से कई मामले उन वादकारियों से संबंधित हैं, जिनके खिलाफ एक मुकदमा दर्ज था और आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण वह अपने मुकदमे में पैरवी नहीं कर पा रहे थे। इसकी जानकारी होने पर सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता स्मिता दीक्षित व करन मल्होत्रा ऐसे वादकारियों की मदद के लिए आगे आए। निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए शनिवार को दोनों वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कोर्ट में पेश हुए और संबंधित वादकारियों की निरूशुल्क पैरवी करते हुए कुल 712 मामले निस्तारित कराए। यानी इन मामलों में गुंडा एक्ट का नोटिस वापस लिया गया। उधर न्यायहित में पुलिस आयुक्त न्यायालय ने भी मैराथन सुनवाई की। कोर्ट सुबह आठ बजे से बैठ गई और फिर रात 10 बजे तक लगातार वादों की सुनवाई कर उन्हें निस्तारित किया।वादों का निस्तारण हाईकोर्ट के विभिन्न आदेश व हाल में ही जारी शासनादेश के अनुसार किया गया। इसमें अभियोजन अधिकारी आनंद कुवर गुप्त ने सालों से लंबित इन वादों में प्रभावी पैरवी की। साथ ही कोर्ट का ध्यान पूर्व में निर्गत आदेशों, शासनादेशों की ओर आकृष्ट कराया। इसके तहत जिन वादों में एक ही मुकदमे के आधार पर वर्षों पहले नोटिस जारी किया गया था, उनमें नोटिस वापस लेने की कार्यवाही की गई। इससे पूर्व संबंधित वादकारियों की ओर से कोई नया गंभीर अपराध कारित न किए जाने संबंधी जांच भी कराई गई।गुंडा एक्ट के 3800 से ज्यादा लंबित वादों के निस्तारण के लिए पुलिस आयुक्त न्यायालय की ओर से अभियान चलाकर इनके निस्तारण की कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए ही यह निर्णय भी लिया गया कि सप्ताह में दो की जगह पुलिस आयुक्त न्यायालय तीन दिन वादों की सुनवाई करेगा।

संगम नगरी के पर्यटन के लिए राम मंदिर बना वरदान, पर्यटकों की संख्या में तेजी से हो रही है बढ़ोत्तरी

अयोध्या दर्शन के साथ प्रयागराज भी आ रहे हैं पर्यटक और तीर्थ यात्री

प्रयागराज(आरएनएस)। कुंभ 2019 के भव्य और दिव्य आयोजन के बाद देश –विदेश के पर्यटकों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने वाली बनाने वाली संगम नगरी में अचानक फिर से पर्यटकों की संख्या में उछाल आया है। अयोध्या के श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की वजह से प्रयागराज पर्यटकों और तीर्थ यात्रियों की पसंदीदा जगह बनता जा रहा है । यह रुझान आगामी महाकुंभ के लिए भी पर्यटन विभाग के लिए उत्साहित करने वाला संकेत है। उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन का तेजी से विस्तार हुआ है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के बाद अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं। राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम मंदिर में दर्शन करने वाले पर्यटक और तीर्थ यात्री अब प्रयागराज की तरफ भी रुख कर रहे हैं। टूर ऑपरेटर और होली वाटर कंपनी के संचालक निलेश नारायण बताते हैं कि अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद फरवरी के अंतिम सप्ताह से अप्रैल महीने के बीच में पर्यटकों के 127 ग्रुप प्रयागराज आए हैं। इसमें अकेले मार्च में 71 ग्रुप आए हैं। उनका कहना है कि इनमें ज्यादातर पर्यटक रामायण सर्किट देखने के उद्देश्य से प्रयागराज पहुंचे हैं। ये पर्यटक पहले वाराणसी आए हैं वहां से सीतामढ़ी होते हुए प्रयागराज आए हैं। प्रयागराज में संगम स्नान के बाद यहां के धार्मिक स्थलों भगवान वेणी माधव मंदिर, अक्षय वट मंदिर , मनकामेश्वर मंदिर में दर्शन के बाद यमुना नदी में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में शाम बिताने के बाद यहां के होटल्स में रात्रि विश्राम किया है। इसके बाद यहीं से चित्रकूट होकर अयोध्या के लिए रवाना हुए हैं। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के मुताबिक प्रयागराज में वर्ष 2021–22 में 2 करोड़, 55 लाख, 17 हजार, 7 पर्यटक आए थे। पिछले दो वर्षों में यहां औसतन 4 करोड़ के आसपास पर्यटक पहुंचे हैं । इसका भी आधार धार्मिक पर्यटन ही है। काशी और अयोध्या से तैयार हुई धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं ने प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ में 41 करोड़ से अधिक पर्यटकों के यहां पहुंचने का अनुमान किया जा रहा है जिसका आधार भी यही धार्मिक पर्यटन ही है। होटल, ट्रैवल इंडस्ट्री से लेकर स्थानीय रोजगार में इजाफायूपी के काशी और अयोध्या में धार्मिक पर्यटन के विस्तार के बाद अब प्रयागराज में धार्मिक पर्यटन की संभावनाएं बढ़ी हैं। यहां जैसे–जैसे पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी वैसे वैसे होटल और ट्रैवल इंडस्ट्री में बढ़ोत्तरी होगी। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह का कहना है कि काशी और अयोध्या में धार्मिक पर्यटन में तेजी से बढ़ोत्तरी दर्ज हो रही है। प्रयागराज में महाकुंभ के दिव्य और भव्य आयोजन से भी प्रयागराज में पर्यटकों की संख्या में इजाफा होना तय है।

इस आयोजन से ट्रैवल और ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा, होटल इंडस्ट्री को नई ऊर्जा मिलेगी, धार्मिक पर्यटन से मंदिरो के आसपास प्रसाद और भोजन का कारोबार बढ़ेगा। मंदिरों के आसपास की व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिलेगी। यह स्थानीय रोजगार को भी मजबूती प्रदान करेगी।

दस घंटे तक ट्रैक पर पड़ा रहा शव रेल अधिकारियों की कार्यप्रणाली ने किया मानवता को शर्मसार

प्रयागराज(आरएनएस)। रेलवे की कार्य प्रणाली ने शनिवार को मानवता को शर्मसार कर दिया। मेमो न भेजे जाने की वजह से ट्रेन की चपेट में आने से मरे युवक का शव दस घंटे तक ट्रैक पर पड़ा रहा। दस घंटे बाद मेमो मिलने पर औद्योगिक थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मेमो न मिलने से सुबह पांच बजे से शाम चार बजे तक शव वहीं पड़ा रहा।प्राप्त जानकारी के अनुसार दुबराजपुर रेलवे क्रासिंग के समीप शनिवार की भोर में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई थी। सुबह करीब पांच बजे उधर से गुजर रही ट्रेन के चलाक ने इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी थी, लेकिन सूचना के बाद भी स्टेशन अधिकारियों द्वारा इसकी मेमो संबंधित थाने में नहीं भिजवाया गया।बताया जाता हैं कि आन ड्यूटी स्टेशन अधीक्षक छिवकी राकेश राय के द्वारा सभी संबंधित एजेंसियों को सूचना देने के साथ थाने का मेमो पीडब्लूआई एवं पीसीओआई कार्यालय में ले जाकर दिया गया था। इसे संबंधित थाने में पहुंचाने की बात कही गई, लेकिन पीडब्लूआई द्वारा बोला गया कि यह उनका काम नहीं है। इसे अपने पोर्टर के माध्यम से थाने भिजवाइए। इसके बाद स्टेशन अधीक्षक ने मेमो को वापस लाकर अपने कार्यालय में रख लिया। मेमो न पहुंचने से शव ट्रैक पर पड़ा रहा। इसके बाद पीडब्लूआई और आरपीएफ स्टाफ मौके पर पहुंचा। प्रधान आरक्षी शशिकांत, कांस्टेबल संतोष कुमार यादव के द्वारा सीवाईएम आफिस जाकर स्टेशन अधीक्षक से पुलिस की प्रति वाला मेमो प्राप्त किया गया, जिसे औद्योगिक थाना क्षेत्र में रिसीव कराया गया। वहां से उप निरीक्षक हरिओम अपने साथी पुलिसकर्मी के साथ आकर मौके पर शव को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचाया। स्टेशन अधीक्षक छिंवकी का कहना है कि मैसेज मिलते ही शव को हटा दिया जाना चाहिए, इसके लिए मेमो का इंतजार नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर तत्काल संबंधित थाने में जानकारी दे दी गई थी। जानकारी देना जरूरी है मेमो देना नहीं। वहीं आरपीएफ इंस्पेक्टर छिंवकी आरएस कुजूर का कहना है कि मेमो रिसीव नहीं होने से शव ट्रैक पर पड़ा रहा। बाद में आरपीएफ और पीडब्लूआई स्टाफ द्वारा मेमो रिसीव कर थाने पर पहुंचाया गया। तब शव को पोस्टमार्टम भेजा गया। वहीं शव की सुरक्षा को लेकर वहां पर कार्रवाई होने ते आरपीएफ के जवान को लगाया गया था। थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र महेश मिश्रा ने बताया कि दोपहर लगभग तीन बजे स्टेशन मास्टर का मेमो प्राप्त हुआ। इसके बाद आगे की कार्रवाई की गई। शव की पहचान नहीं हो सकी है।

सुंदरकांड पाठ तथा भण्डारे का हुआ आयोजन

प्रयागराज(आरएनएस)। वैश्य समाज सेवा उत्तर प्रदेश एवं हिंदू महिला सेवा समिति की ओर से आज हर महीने की भांति इस सुंदरकांड पाठ तथा भण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र गुप्ता शिमला परिवार ने भगवान की झांकी पर धूप आरती व माल्यार्पण कर पाठ का आरंभ किया। इस अवसर पर संस्था की महामंत्री इंदिरा उपाध्याय ने कहा कि सनातन धर्म के नाते सामाजिक एवं धार्मिक कार्य के साथ – साथ गरीबों की मदद भी करते रहते हैं, और आपस में एक दूसरों की पहचान भी बनाते रहते है यही हमारी संस्था तथा टीम की पहचान है। हिंदू महिला सेवा समिति के सदस्यों द्वारा कल मातृ दिवस को बहुत ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय भी लिया गया। इस कार्यक्रम में दोनों संस्थाओं के अध्यक्ष व पदाधिकारी तथा अन्य बहुत से लोग उपस्थित थे। जिनमें प्रमुख रूप से पत्रकार रामकृष्ण मिश्रा, मीडिया प्रभारी रोहित तिवारी, रामकिशन वैश्य, गिरीश केसरवानी, संदीप पोद्दार, गोपाल चित्र शाला से महेश गुप्ता, डॉ अनिल गुप्ता, हिंदू महिला सेवा समिति की अध्यक्ष आयुषी गुप्ता, सचिव जय श्री प्रिया गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय लक्ष्मी, उपाध्यक्ष निर्मला मिश्रा, उपाध्यक्ष शालिनी त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष पुष्पा गुप्ता, संरक्षक उषा अग्निहोत्री, बबीता चौरसिया, सदस्य वंदना त्रिपाठी, सदस्य अन्नपूर्णा द्विवेदी, संस्था की कर्मठ समाजसेवी ज्योति गुप्ता, बीनू मिश्रा आदि लोग मौजूद थे। वरिष्ठ समाजसेवी संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता शिमला परिवार ने सामूहिक विवाह में जिन्होंने सहयोग किया उनको राम जी का चिन्ह देखकर सम्मानित किया तथा पूर्व सभासद सुमन जायसवाल, रीता नाथ अर्जुन गंज, तिलक गुप्ता, अमिता सिंह, संध्या गुप्ता, कोमल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, पूनम सक्सेना, दीपाली उपाध्याय सोनू गुप्ता आदि नए लोग आए थे उन्हें राम दरबार चिन्ह देखकर भी सम्मानित किया। सुन्दरकाण्ड पाठ के बाद भण्डारे का भी आयोजन किया गया।

दि फिफ्थ पिलर, नेताजी, भवम और चौधरी नौनिहाल विजयी

आदित्य का शतक, युवराज और अभिजीत गेंदबाजी में चमके

प्रयागराज(आरएनएस)। दि फिफ्थ पिलर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्रिकेट क्लब, भवम क्रिकेट क्लब और चौधरी नौनिहाल सिंह क्रिकेट क्लब ने अपने–अपने मुकाबले जीतकर रविकांत अंडर–16 समर क्रिकेट लीग में पूरे अंक प्राप्त किये। दि फिफ्थ पिलर के आदित्य वर्मा (115 रन, 87 गेंद, बीस चौके, तीन छक्के) ने शतकीय पारी खेली जबकि इसी टीम के युवराज सिंह (6–0–26–5) और ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के अभिजीत सिंह (7–1–36–5) गेंदबाजी में चमके।

सीएवी कॉलेज मैदान पर शनिवार रविवार को खेले गए मैच में दि फिफ्थ पिलर ने 35 ओवर में तीन विकेट पर 252 रन (आदित्य वर्मा 115, अंश यादव 54, आशीष पाल 49 नाबाद, अमन, संदीप व सौरव एक–एक विकेट) बनाकर सावित्री देवी क्लब को 20 ओवर में 187 रन (हर्ष राज सिंह 57, सौरव यादव 56, कुणाल मिश्र 22, युवराज 5з26) पर समेट दिया। मैच में पवन वर्मा व मोहम्मद नबी अंपायर एवं खुर्शीद अहमद स्कोरर रहे।

डीपीएस मैदान पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्लब ने 35 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन (सुहेब खान 35, कर्णवीर सिंह 30, मोहम्मद अंसी 20, आयुष द्विवेदी 3з29, यश जायसवाल 2з28) बनाकर आशीष नेहरा क्लब को 31.4 ओवर में 132 रन (अभ्युदय प्रताप सिंह 61, यश जायसवाल 23, सागर यादव 3з14, विनीत राठौर 2з19, शहजाद अहमद 2з23) पर समेट दिया। मैच में नितिन मिश्र व राजीव कुशवाहा अंपायर एवं अंकित पाण्डेय स्कोरर रहे।

ईश्वर शरण डिग्री कालेज मैदान पर भवम क्लब ने 35 ओवर में 203 रन (शिवांश पाण्डेय 55, रोशन कुशवाहा 41, अर्पित शुक्ला 28, अभिजीत सिंह 5з26, आयुष राज मिश्र 2з29) बनाकर ईश्वर शरण डिग्री कालेज को 35 ओवर में 9 विकेट पर 198 रन (अभय यादव 57, सचिन पटेल 36, आयुष राज मिश्र 27, अश्मित सरोज, ईशान सिंह, सानिध्य श्रीवास्तव व रोशन कुशवाहा एक–एक विकेट) पर समेटा। मैच में अजय कुमार व हितेश श्रीवास्तव अंपायर और मोहम्मद सैफ स्कोरर रहे।

केपी कॉलेज मैदान पर कैंटोनमेंट बोर्ड क्लब को 25.4 ओवर में 125 रन (युवराज सिंह 47, अक्षत केसरवानी 20, देवांश त्रिपाठी 4з33, मोहम्मद अली खान 3з17, शनि द्विवेदी 2з29) पर समेटकर चौधरी नौनिहाल क्लब ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 126 रन (देव प्रयाग 62, प्रशांत यादव, अक्षत केसरवानी व युवराज सिंह एक–एक विकेट) बना लिए। मैच में राहुल सिंह व तौसीफ शेख ने अंपायरिंग एवं प्रितेश सोनकर ने स्कोरिंग की।

राजनाथ सिंह ने किया लखनऊ का स्वर्णिम विकास - देवाशीष मीडिया प्रभारी भाजपा

लखनऊ लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी माननीय श्री राजनाथ सिंह के समर्थन में प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन श्री सुधीर हलवासिया द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री ब्रजेश पाठक, माननीय नीरज सिंह युवा नेता भाजपा, श्री आनंद द्विवेदी जी नगर अध्यक्ष भाजपा थे सकार्यक्रम में मुख्य रूप से देवाशीष देव मीडिया प्रभारी भाजपा, बनवारी लाल कंछल पूर्व सांसद, श्री सचिन कंचन श्री अमित अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे ।

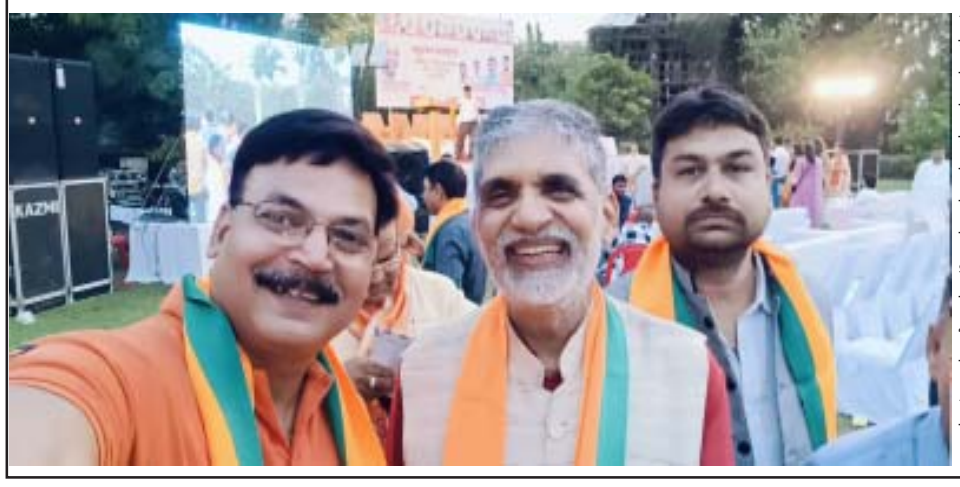

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।